WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

मां बनीं सपना चौधरी

वर्षः 01 अंक : 288 | लखनऊ, गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

देश में कम हो रहे हैं कोरोना के मामले

अब 9,07,883 रह गए

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में प्राण घातक कोरोना वायरस (कोविड-19) से निजात पाने वाले लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके कारण इसके सक्रिय मामले कम हो रहे हैं और यह घटकर 9, 07, 883 पर आ गए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 82,203 कोरोना मरीज ठीक हुए, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 57,44,693 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। इसी अवधि में 72,049 नये लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद

संक्रमितों का आंकड़ा 67,57,132 हो गया है। इससे पहले रविवार को 82,259 कोरोना मरीज स्वस्थ हुए थे जबकि संक्रमण के 75,829 मामले आये थे। इसी तरह सोमवार को रिकवरी और संक्रमण के मामलों की संख्या क्रमशः 76,737 और 74,442 रही। वहीं मंगलवार को 75,787 लोगों ने इस जानलेवा विषाणु को मात, दी थी, जबकि 61,267 नये लोग इसकी चपेट में आए थे। पिछले 24 घंटों में 986 संक्रमितों की मौत होने के बाद देश में अब तक इस महामारी से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1,04,555 हो गया है। देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 9.07,883 है। देश में इस समय मामलों का प्रतिशत 13.44 और रोगमुक्त होने वालों की दर 85.02 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.55 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 5.253 कम होकर 2,47,468रह गये हैं, जबकि 370 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 38,717 हो गयी है। इस दौरान 17,141 लोग संक्रमणमुक्त हुए, जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 11,79,726 हो गयी।

शोपियां में मुठभेड़, तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में घेराबंदी तथा तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में बुधवार को तीन अज्ञात आतंकवादियों मारे गये। अफवाह फैलने से रोकने के लिए एहतियात भारत संचार निगम लिमिटेड सहित सभी मोबाइल कंपनियों की इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गयी है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना के आधार पर राज्य पुलिस के विशेष अभियान दल, राष्ट्रीय राइफल तथा केंद्रीय रिसर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने संयुक्त रूप से शोपियां के सज्जाद मोहल्ला सुगन जैनापोरा में मंगलवार की शाम तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब एक निश्चित क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू

कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलायीं। उन्होंने बताया कि रात हो जाने पर सुरक्षा बलों ने अभियान को रोक दिया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार अंधेरे का लाभ लेकर आतंकवादियों के भाग निकलने की कोशिश को विफल करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों ने आज सुबह आतंकवादियों से आत्ममर्पण करने को कहा। इसके बदले में आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में अभी तक तीन आतंकवादी मारे गये हैं। अंतिम सूचना मिलने तक सुरक्षा बलों का अभियान जारी था।

जेल से रिहा हुईं रिया चक्रवर्ती

ड्रग्स केस में 30 दिन बाद जेल से बाहर आईं रिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। ड्रग्स मामले में गिरफ्तार एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बॉम्बे हाईकोर्ट से बुधवार को जमानत मिल गई। इसके बाद रिया शाम करीब साढ़े पांच बजे भायखला जेल से बाहर आईं। इससे पहले, सेशन कोर्ट ने मंगलवार को रिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 14 दिन और यानी 20 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। एक महीने से जेल में बंद रिया ने लोअर कोर्ट से 2 बार अर्जी खारिज होने के बाद हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि रिया ड्रग डीलर्स का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने अपने या किसी और के फायदे के लिए किसी भी तरह से ड्रग्स को आगे नहीं बढ़ाया है। फिलहाल ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जिसके आधार पर यह माना जाए कि जमानत मिलने के बाद वह कोई अपराध कर सकती हैं। हालांकि, रिया के भाई शोविक चक्रवर्ती और एक अन्य आरोपी अब्दुल बासित को जमानत नहीं दी गई है। फिलहाल उन्हें जेल में ही रहना होगा। वहीं, सैम्युल मिरांडा और दीपेश सावंत को जमानत मिल गई है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच के सिलसिले में सामने आए ड्रग्स कनेक्शन में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 8 सितंबर को रिया को गिरफ्तार किया था। एनसीबी ने कोर्ट में दिए एफिडेविट में कहा था कि रिया और शोविक ड्रग्स सिंडिकेट के एक्टिव मेंबर हैं। और कई हाई सोसाइटी के लोगों और ड्रग सप्लायर्स से जुड़े हैं। दोनों पर धारा 27 लगाई गई है, इसलिए इन्हें जमानत नहीं मिलनी चाहिए। रिया ने ड्रग्स खरीदने की बात कबूल की है। उन्होंने माना कि ड्रग्स खरीदने के लिए सैमुएल मिरांडा, दीपेश सावंत और शोविक से कहा था। एनसीबी ने दावा किया कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के पूरे मामले को देखने में यह सामने आता है कि रिया यह बात जानती थी कि सुशांत ड्रग्स का सेवन करते थे।

अटल टनल को लेकर राहुल ने मोदी पर साधा निशाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार हमलावर बने हुए हैं और बुधवार को सुरंग को लेकर निशाना साधा है। श्री गांधी ने आज ट्वीट किया, पीएम जी, अकेले टनल में हाथ हिलाना छोड़ो, अपनी चुप्पी तोड़ो। सवालों का सामना करो, देश आपसे बहुत कुछ पूछ रहा है। उन्होंने इसके साथ ही ट्विटर पर अपना एक वीडियो भी साझा किया है। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में विश्व की सबसे बड़ी अटल टनल का लोकार्पण किया था। यह टनल 9.02 किलोमीटर लंबी है जो मनाली को लाहौल स्फीति से जोड़ती है। इस टनल की वजह से मनाली और लाहौल स्फीति घाटी पूरे वर्ष एक-दूसरे से जुड़े रह सकेंगे। कांग्रेस मोदी सरकार के हाल में कृषि से जुड़े तीन कानूनों को लेकर आक्रामक रुख अपनाये हुए है। इन कानूनों के विरोध में वायनाड से सांसद श्री गांधी ने तीन दिन पंजाब में ट्रैक्टर रैली निकाली, उसके बाद मंगलवार को हरियाणा पहुंचे।

बेनकाब हो रहे हैं गरीबों की लाश पर राजनीति करने वालेः सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गरीबी और गरीबों की लाश पर राजनीति करने वाले कभी गरीबों के हितैषी नहीं हो सकते। ऐसे लोग बेनकाब हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां अपने सरकारी आवास पर बांगरमऊ (उन्नाव) विधानसभा उपचुनाव के लिए आयोजित बूथ, सेक्टर और मंडल के पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वह विपक्षी दलों पर जमकर बरसे। कहा कि, इन लोगों ने आजादी के बाद से गरीबों का कभी भला चाहा ही नहीं। इनके लिए गरीब सिर्फवोट बैंक रहा और गरीबी उन्मूलन नारा। आज भी इनकी मानसिकता जस की तस है। लिहाजा गरीबों की लाश पर राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। ऐसे चेहरे बेनकाब हो रहे हैं। सरकार एक-एक को पहचानकर कर उनसे

कानून के अनुसार बेहद सख्ती से पेश आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारी सोच बिना भेदभाव के पूरी पारदर्शिता से सबकी तरक्की, सुरक्षा और सुशासन की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई और मार्गदर्शन में लगातार हम यह कर भी रहे हैं। पिछले छह सालों में देश में और करीब साढ़े तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र (बुनियादी संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, कनेक्टिविटी, निवेश आदि) में अभूतपूर्व विकास हुआ है। इस आमूल-चूल बदलाव से उत्तर प्रदेश के बारे में नजरिया बदला है। उन्होंने कहा कि, हमारे लिए राष्ट्र सवरेपरि है और राजनीति सेवा का जरिया। विपक्ष के लिए राजनीति दुकानदारी है। अपनी दुकान चलाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। सीएए के विरोध से लेकर हाल की कुछ घटनाएं इसका सबूत हैं।

रेलवे ने 39 नई स्पेशल ट्रेनों को चलाने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। रेलवे बोर्ड ने बुधवार को 39 नई ट्रेनों को चलाने की मंजूरी दे दी। इन्हें स्पेशल सर्विस के तौर पर चलाया जाएगा। इन ट्रेनों के शुरू होने की तारीख का ऐलान जल्द किया जाएगा। 39 में से 26 ट्रेनें स्लीपर और 13 ट्रेनों में सिटिंग व्यवस्था होगी। हाल ही में रेलवे ने कहा था कि फेस्टिव सीजन में 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच 200 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। उधर, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने लखनऊ-नई दिल्ली और अहमदाबाद-मुंबई के बीच तेजस ट्रेनें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। ये ट्रेनें 17 अक्टूबर से शुरू की जा सकती हैं। कोरोना महामारी की वजह से तेजस ट्रेनें 19 मार्च से स्थगित थीं। आईआरसीटीसी ने कहा है कि रेल मंत्रालय ने इन्हें चलाने की इजाजत दे दी है। इनकी बुकिंग जल्द ही शुरू की जाएगी। सेंट्रल रेलवे ने बुधवार को बताया कि वह 9 अक्टूबर से महाराष्ट्र में पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति ने आपदा को अवसर में बदलाः नकवी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि गुजरात के भूकंप से लेकर कोरोना कहर की आपदा को आम लोगों के लिए आफत बनने से बचाना और आपदा को अवसर में बदलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और पुख्ता इरादों का परिणाम रहा है। श्री नकवी ने बुधवार को अपने ब्लॉग में लिखे लेख में कहा कि एक चुनी हुई सरकार के मुखिया के रूप में उनके 20 वर्षों का सुशासन का सफर काँटों के ताज से कम नहीं रहा। श्री मोदी ने इन 20 वर्षों में राज्य से लेकर केंद्र तक सत्ता के गलियारे से 'परिक्रमा संस्कृति' खत्म कर 'परिश्रम और परिणाम' को प्रामाणिकता दी। सत्ता और सियासत के गलियारे में दशकों से परिक्रमा को ही 'पराक्रम' समझने वाले, 'परिश्रम और परिणाम' की कार्य संस्कृति के चलते हाशिये पर चले गए हैं। इसी परिणामी मंतर ने सत्ता के गलियारे से सत्ता के दलालों को छू-मंतर किया। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 2001 में गुजरात के भुज, कच्छ, भरुच, अंजार, गांधीनगर, राजकोट आदि में आये दुनिया के इतिहास के भयंकर भूकंप और उससे हुई बर्बादी की जटिल और मुश्किल चुनौती पर प्रभावी प्रयास और परिश्रम का परिणाम और ऐसे संकट और चुनौती के वक्त इस लड़ाई में लगे लोगों के साथ अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर इस बात का विश्वास और एहसास कराना कि इस चुनौती के समय सेना के साथ सेनापति का उतनी ही गंभीरता, मेहनत और मजबूती से मैदान में खड़ा रहना श्री नरेंद्र मोदी की खासियत रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया अचंभित थी, भौंचक थी कि इतनी बड़ी त्रासदी को जिसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा खाने-पीने के स्त्रोत नष्ट हो गए थे, लाखों लोग बेघर हो गए हों, हजारों लोगों को जाने गंवानी पड़ी हो, कुछ ही दिनों पहले मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सँभालने वाले श्री मोदी ने किस जादू की छड़ी से कब्जे-काबू में किया और हालात को बेहतर बनाने का रास्ता साफ़ किया।

मोदी ही समझ सकते हैं 130 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाः शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही 130 करोड़ देशवासियों की आकांक्षा को सही मायने में समझ सकते हैं और अपनी सोच से वह सशक्त, आधुनिक तथा आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर रहे हैं। श्री शाह ने श्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री बनने और उसके बाद के योगदान का उल्लेख करते हुए आज सिलसिलेवार ट्विट किये हैं। उन्होंने लिखा है, 07 अक्टूबर देश के इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। 2001 में आज ही के दिन नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और उस दिन से शुरू हुआ बिना रुके, बिना आराम किए हर दिन देशहित और जनसेवा में समर्पित एक ऐसा सफर जिसने नित नए आयाम

स्थापित किए। एक अन्य ट्विट में उन्होंने लिखा है, अगर कोई सही मायने में 130 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को समझ सकता है तो वह नरेन्द्र मोदी जी हैं। अपनी दूरदर्शी सोच से वह ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं जो सशक्त, आधुनिक व आत्मनिर्भर हो। एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनके 20वें वर्ष पर उन्हें हृदयपूर्वक बधाई देता हूँ। श्री शाह ने कहा है, चाहे भुज को भयावह भूकंप से बाहर निकाल विकासपथ पर अग्रसर करना हो या गुजरात को शांति और सौहार्द का प्रतीक बनाना हो या अपने परिश्रम और दूरदर्शी सोच से देश को विकास व प्रगति का एक गुजरात मॉडल देना हो, यह सिर्फ और सिर्फ मोदी जी की कटिबद्धता का ही परिणाम है। गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी जी प्रदेश में विकास की क्रांति लाए और अब प्रधानमंत्री के रूप में विभिन्न ऐतिहासिक योजनाओं व कार्यों से करोड़ों गरीब, किसान, महिला व समाज के वंचित वर्ग को सशक्त कर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी सात अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे और उसके बाद के 20 साल की इस राजनीतिक यात्रा पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके हर वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि पर बुधवार को हर साल खास है की एक श्रृंखला जारी की है।

आरजेडी ने 42 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की

पटना, एजेंसी। राजद ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर अपने 42 उम्मीदवारों को लिस्ट जारी कर दी। राजद ने 17 मौजूदा विधायकों को फिर से मैदान में उतारा है। वहीं नए चेहरों को भी उतारा गया है, जो पहली बार चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा पूर्व विधायकों और दूसरे दलों से आए लोगों को भी निराश नहीं किया गया है। मंगलवार को दिनभर राबड़ी आवास के बाहर टिकटार्थियों और उनके समर्थकों का तांता लगा रहा। इस दौरान कई बार नारे भी लगते रहे। शाम होने तक अधिकांश स्थानों पर स्थिति साफ हो गई। सबसे अंत में बड़ाहरा सीट पर फैसला हुआ। पार्टी ने इस बार कई चीजों का ध्यान रखा है। करीब आधा दर्जन टिकट नेताओं के पुत्र-पुत्रियों और पत्नियों को देने के साथ ही कई टिकट बदले गए भी गए हैं। राजद सूत्रों की

मानें तो मखदूमपुर सीट से पार्टी ने मौजूदा विधायक सूबेदार दास को फिर से प्रत्याशी बना दिया था। उन्हें बुलाकर सिंबल भी दे दिया गया। जैसे ही इसकी खबर फैली, उनका पुरजोर विरोध शुरू हो गया। खबर है कि राजद के सर्वे में भी इस सीट की रिपोर्ट ठीक नहीं आई थी। ऐसे में देर रात सूबेदार दास का टिकट काटकर सतीश दास को दे दिया गया।

भारत-जापान के बीच साइबर सुरक्षा करार को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और जापान के बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के एक करार को आज मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इस करार से परस्पर हित के क्षेत्रों में सहयोग बढेगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, साइबरस्पेस के क्षेत्र में क्षमता निर्माण, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग, साइबर सुरक्षा खतरों और दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने के अलावा उनका मुकाबला करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास, सूचना संचार प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे आदि की सुरक्षा के लिए संयुक्त तंत्र का विकास करना शामिल है। भारत और जापान खुले, अंतर-संचालित, मुक्त, निष्पक्ष, सुरक्षित और विश्वसनीय साइबर स्पेस माहौल तथा नवाचार, आर्थिक विकास और व्यापार के इंजन के रूप में इंटरनेट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह दोनों देशों के संबंधित घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों तथा उनकी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप होगा।

कोलकाता ईस्ट वेस्ट मेट्रो परियोजना से लाखों लोगों को मिलेगी सहूलियतः गोयल

नयी दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कोलकाता ईस्ट वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना के पूरा होने पर कोलकाता और उसके आस पास रहने वाले लाखों लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी तथा इससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था आपस में जुड़ेगी। श्री गोयल ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि इस परियोजना में 12 स्टेशन होंगें और मेट्रो की लाइन हुगली नदी के पश्चिमी किनारों को हावड़ा जबकि पूर्वी किनारों को सॉल्ट लेक क्षेत्र से जोड़ेगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कोलकाता ईस्ट वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना के लिए नए संशोधित लागत के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। उन्होंने कहा कि 8575 करोड़ लागत की 16.6 किलोमीटर लंबी ये मेट्रो परियोजना दिसंबर 2021 तक पूरी हो जाएगी। रेल मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से भूमि अधिग्रहण जैसे कईं अड़चनें दूर न हो पाने की वजह से इस परियोजना में रुकावटें आईं। इस मेट्रो के शुरु हो जाने से प्रतिदिन आठ लाख यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक यातायात की सुविधा मिलेगी।

हाथरस केस में नया ट्विस्ट

पीड़ित के भाई और आरोपी संदीप के बीच 6 महीने में 104 बार बातचीत हुई

नयी दिल्ली, एजेंसी। हाथरस में 19 साल की दलित लड़की के साथ कथित गैंगरेप और मौत के बाद आधी रात में जबरन अंतिम संस्कार करने को लेकर देशभर में गुस्सा है। इस बीच मुख्य आरोपी संदीप और युवती के भाई के बीच फोन कॉल्स को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों के बीच 13 अक्टूबर 2019 से मार्च 2020 तक 104 बार बातचीत हुई। पूरा कॉल ड्यूरेशन करीब 5 घंटे का है, जबकि दोनों के घर 200 मीटर की दूरी पर ही हैं। 62 कॉल संदीप ने तो 42 कॉल पीड़ित के भाई की तरफ से एक-दूसरे को किए गए।

कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) दैनिक भास्कर के पास है। सीडीआर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि, इस डिटेल की किसी भी अधिकारी और जांच एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। जांच में लगी टीम के सूत्रों का दावा है कि पीड़ित के भाई का फोन उसकी पत्नी इस्तेमाल करती थी। इसी फोन से पीड़ित और संदीप के बीच बातचीत का दावा किया जा रहा है। सीडीआर में दोनों के बीच बातचीत में करीब 60 कॉल रात के समय का होना पाया गया। फिलहाल, इस केस की जांच कर रही एसआईटी को गृह विभाग ने 10 दिन का समय और दिया है। पीड़ित के घर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। चंदपा थाने में एक्टीविस्ट डॉ. नूतन ठाकुर ने पीड़ित की पहचान उजागर करने पर शिकायत की। मामले में ट्विटर और संबंधित वेबसाइट्स पर धारा 228ए आईपीसी, 72 आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

धरना प्रदर्शन के नाम पर सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा नहीं किया जा सकताः सुप्रीमकोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शाहीन बाग प्रदर्शन मामले में बुधवार को कहा कि धरना और प्रदर्शन के नाम पर सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर अनिश्चित काल के लिए कब्जा नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे, रास्ते को प्रदर्शनकारियों ने ब्लॉक किया था, जो गलत है क्योंकि कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों एवम् सड़कों पर अनिश्चितकाल के लिए कब्ज़ा नही किया जा सकता। न्यायालय ने कहा कि सड़क पर आवागमन का अधिकार अनिश्चित काल तक रोका नहीं जा सकता। न्यायालय ने कहा कि केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों में ही विरोध प्रदर्शन किया जाना चाहिए। खंडपीठ ने कहा कि

सार्वजनिक बैठकों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन उन्हें निर्दिष्ट क्षेत्रों में होना चाहिए। संविधान विरोध प्रदर्शन का अधिकार देता है लेकिन इसे समान कर्तव्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। न्यायालय ने इस मामले में मध्यस्थता के प्रयास विफल होने का भी जिक्र किया। खंडपीठ ने कहा, शाहीन बाग में मध्यस्थता के प्रयास सफल नहीं हुए, लेकिन हमें कोई पछतावा नहीं है। खंडपीठ ने ऐसे मामलों में निर्णय लेने में सरकार को इंतजार ना करने और न्यायालय के कंधे पर बंदूक ना रखने की भी नसीहत दी।

मासूम बेटी के साथ अपहृत रूकैया को पुलिस ने कानपुर से किया बरामद

करीबी के घर से हुई बरामदगी पुलिस ने कहा फिरौती की बात की हो ही है जॉच

लखनऊ, संवाददाता। नजीराबाद की बाजार अपनी ननद के साथ खरीदारी करने गई 25 वर्षीय महिला और उसकी दो साल की बेटी के अपहरण की घटना की गुत्थी को महज 24 घण्टो के अन्दर ही कैसरबाग पुलिस ने सुलझाते हुए अपहृत महिला और उसकी दो साल की मासूम बेटी को कानपुर के अनवरगंज से सकुशल बरामद कर उसे लखनऊ से कानपुर ले जाने वाले उसके मित्र तारिक को हिरासत मे लिया गया है। डीसीपी पश्चिम देवेश पाडेण्य का कहना है कि महिला के परिजनो द्वारा लिखवाए गए अपहरण के मुकदमे के बाद पुलिस महिला और उसकी बेटी को सकुशल बरामद करने के लिए मेहनत कर रही थी और पुलिस की मेहनत रंग लाई महिला और उसकी बेटी सकुशल बरामद हो गई उनका कहना है कि महिला अपने मित्र तारिक के साथ खुद गई या उसका अपहरण हुआ इसकी जॉच जारी है। आपको बता दे कि समनान गार्डेन कैम्पवेल रोड ठाकुरगंज के रहने वाले प्रापर्टी डीलर इमरान की पत्नी रूकैया मंगलवार की दोपहर अपनी दो साल की बेटी और ननद महविश व रिश्तेदार समीर के साथ खरीदारी करने के लिए नजीराबाद गई थी। दुकान मे कपड़े खरीदने के बाद महविश करीब के एटीएम से पैसे निकालने के लिए चली गई थी महविश जब वापस आई तो उसे उसकी भाभी और भतीजी नही मिली काफी तलाश के बाद रूकैया के परिजनो ने कैसरबाग पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुॅची और सीसीटीवी कैमरे की जॉच मे पता चला की रूकैया ई रिक्शा पर अकेले जा रही है। गुमशुदगी के इस मामले मे नया मोड़ तब आया जब रूकैया की ननद महविश ने ये बताया कि रूकैया के पति के मोबाईल पर रूकैया के मोबाईल से ही रूकैया के अपहरण की बात कह कर 30 लाख रूपए की फिरौती मांगी गई है। मॉ बेटी के अपहरण की इस सनसनीखेज घटना को पुलिस ने गम्भीरता से लिया और रूकैया और उसकी मासूम बेटी की सकुशल बरामदगी के लिए कोशिशे शुरू करते हुए उसका मोबाईल वर्सिलांस पर लगाता तो रूकैया की लोकेशन उन्नाव की तरफ मिली । रूकैया और उसकी बेटी की सकुशल बरामदगी के लिए फूंक फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही पुलिस रात मे रूकैया के करीब पहुॅच गई और सुबह होते होते अच्छी खबर आई कि रूकैया और उसकी बेटी कानपुर के अनवरगंज मे रूकैया करीबी तारिक के घर से बरामद हो गई है । इन्स्पेक्टर कैसरबाग ने बताया कि अपहरण का मुकदमा दर्ज करने के बाद हम रूकैया और उसकी बेटी का अपहरण किए जाने की बात को ध्यान मे रख कर आगे बढ़ रहे थे उन्होने बताया कि रूकैया और उसकी बेटी को सकुशल बरामद कर तारिक को हिरासत मे लिया गया है उन्होने कहा कि फिरौती मागे जाने की बात की जॉच चल रही है। डीसीपी पश्चिम देवेश पाडेण्य का कहना है कि रूकैया और उसकी बेटी की सकुशल कानपुर से बरामदगी हो गई है उन्होने बताया कि रूकैया के मित्र तारिक द्वारा रूकैया और उसकी बेटी को लखनऊ से कानपुर आटो द्वारा ले जाए जाने की बात अभी तक सामने आई है।

हाथरस पुलिस द्वारा ट्विटर वेबसाइटों पर पहचान उजागर करने पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। थाना चंदपा, हाथरस में हत्या एवं बलात्कार मामले में एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा की गयी शिकायत पर ट्विटर तथा शिकायत में अंकित वेब साइटों पर मु0अ0स0 156ध्2020 धारा 228ए आईपीसी तथा 72 आईटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। 29 सितम्बर 2020 को भेजी अपनी शिकायत में नूतन ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साईट ट्विटर पर पीडिता का नाम लिए जाने, उसके नाम से ट्विटर पर विभिन्न हैशटैग चलाये जाने, पीडिता की फेटो तथा विडियो शेयर किये जाने आदि के संबंध में विधिक कार्यवाही की मांग की थी. उन्होंने कहा था कि पीडिता की फेटो के साथ ही उसकी पहचान को उजागर करते कई विडियो भी यूट्यूब पर डाले गए हैं. उन्होंने कहा था कि धारा 228ए आईपीसी के अनुसार रेप पीडिता की पहचान का प्रकटीकरण दंडनीय अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने भी निपुण सक्सेना केस में स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में रेप पीडिता की पहचान नहीं उजागर की जाये।

लिवर की बीमारियों के लिये विशेष ओपीडी दस अक्टूबर को

लखनऊ, संवाददाता। लिवर और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारियों जैसे गैरसंचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते बोझ के मद्देनजर एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स आगामी 10 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक, शेखर हॉस्पिटल, लखनऊ के सहयोग से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) और लिवर की बीमारियों के लिए एक स्पेशलिटी ओपीडी आयोजित करेगा। इस ओपीडी के दौरान लिवर ट्रांसप्लांट और हेपेटो-पैंक्रियाटिक- बाइलरी सर्जरी विभाग के प्रमुख, डॉ. शैलेंद्र लालवानी परामर्श देंगे। उनके अनुभव और विशेषज्ञता की वजह से, लखनऊ के निवासियों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) और लिवर डिसऑर्डर के लिए श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ इलाज पाने की उम्मीद है। डॉ. लालवानी ने कहा हमने जीआई सर्जरी और लिवर डिसऑर्डर के उपचार में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सुस्त जीवन शैली के कारण, खासतौर पर लखनऊ जैसे बड़े शहरों में, हम गैस्ट्रो रोगों जैसे फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं में वृद्धि देख रहे हैं। हम उन्हें जीआई और एंडोस्कोपी सर्जरी के साथ उन्नत उपचार की उपलब्धता के बारे में भी जागरूक करेंगे। उत्तर प्रदेश और इसकी राजधानी लखनऊ में लिवर रोग और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संबंधी बीमारियों के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शहर के अस्पतालों में पिछले 15 सालों में लिवर और जीआई डिसऑर्डर में लगभग 4 गुना बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, जिसमें हाई क्वालिटी ऑब्जेक्ट्स, अत्याधुनिक और किफायती मरीज देखभाल के साथ, जीआई और लिवर की बीमारियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र है, यह उन लोगों को अत्याधुनिक सुविधाएं देता है।

जिला कारागार में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ सपना त्रिपाठी ने सूचित किया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में आज जिला कारागार लखनऊ में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया जिसमें सपना त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, पैनल अधिवक्ता बलराम सिंह तथा दिलीप कुमार सिंह भदौरिया उपस्थित रहे जिला कारागार लखनऊ में सहयोग के लिए सुशील कुमार वर्मा डिप्टी जेलर उपस्थित हुए तथा सामाजिक दूरी का पालन करते हुए इस शिविर में जिला कारागार लखनऊ से लगभग 21 बंदियों द्वारा भाग लिया गया शिविर में बंदियों की समस्याओं को सुना गया तथा बंधुओं से संबंधित लाभकारी कानूनों से उन्हें अवगत कराया गया जिसमें मुख्य रुप से बारगेनिंग संबंधित कानून धारा 436ए सीआरपीसी तथा 437ए विधि सेवाओं विद्यार्थी पर चर्चा की गई डिप्टी जेलर को इस संबंध में निर्देशित किया गया कि समस्त बंधुओं जिनकी विधिक समस्याएं हैं से प्रार्थना पत्र लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ को प्रेषित करेंए जिससे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रयास से संबंधित न्यायालयो के माध्यम से उनकी समस्याओं का निराकरण कराया जा सके।

प्रदेश सरकार ने किये चार आईपीएस के तबादले

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के चार अधिकारियों का तबादला कर दिया है। लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर कार्यरत पूजा यादव को एसपी के रूप में डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। फिलहाल वह छह माह के अवकाश पर जा रही हैं। एसपी, अपर पुलिस उपायुक्त लखनऊ के पद पर तैनात श्याम नरायन सिंह को पुलिस उपायुक्त लखनऊ के पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ के एसपी, एएसपी रमाकांत प्रसाद को एसपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ और पीटीसी सीतापुर के एसपी, एएसपी अवधेश कुमार विजेता को एसपी पीटीसी सीतापुर के पद पर तैनात कर दिया गया है। सभी आदेश एडीजी कार्मिक दिपेश जुनेजा की तरफ से जारी किए गए हैं।

लखनऊ कमिश्नरेट के चार थानो को मिली कामयाबिया

लखनऊ, संवाददाता। बुधवार का दिन लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के लिए अच्छा दिन बीता लखनऊ कमिश्नरेट के चार थानो गोसाईगंज, मड़ियाव सुशान्त गोल्फसिटी और गाजीपुर पुलिस के हाथ कामयाबियां लगी है। टाटा टियागो कार मे भारी मात्रा मे गांजा रख कर बेचने की फ्रिाक मे जा रहे 4 लोगो को चेंकिग के दौरान सुशान्त गोल्फसिटी पुलिस ने नीलमथा बैरियर के पास से गिरफ्तार कर 7 किलो 60 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस द्वारा गांजे के साथ गिरफ्तार किए गए लोगो में भवानी खेड़ा समेसी नगराम का रहने वाला राहुल यादव, विजय नगर कटहरी बाग कैन्ट का रहने वाला सनी सरोज, नई बस्ती कैन्ट का रहने वाला आदित्य व टिकरा जुगराज नगराम का रहने वाला रवि शामिल है पुलिस ने गांजे के साथ पकड़े गए लोगो के पास से 45 हजार रूपए भी बरामद किए है। इसके अलावा गाजीपुर पुलिस ने 15 हजार रूपए के पुरूस्कार घोषित गैगस्टर एक्ट के आरोपी राजीव सागर को गिरफ्तार करने मे कामयाबी हासिल की है। मड़ियाव पुलिस को भी कामयाबी हाथ लगी है पुलिस ने चेकिंग के दौरान पुलिस को देख कर भागने का प्रयास कर रहे गौस नगर मड़ियाव के रहने वाले शंहशाह को पकड़ कर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास 315 बोर का एक नाजायज तमन्चा बरामद हुआ पुलिस ने असलहा रख कर घूम रहे शहंशाह को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा गोसाईगंज पुलिस के हाथ भी कामयबाबी लगी है पुलिस ने डकैती की योजना बनाने वाले शातिर वांछित अपराधी ग्राम गौरा मोहनलालगंज के रहने वाले राजेन्द्र पासी को करेहटा मोड़ के पास से चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। आज गिरफ्तार किए गए राजेन्द्र पासी के दो साथियो को पिछले महीने की 18 तारीख को डकैती की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया गया था उस समय दोनो अभियुक्तो के साथ राजेन्द्र भी मौजूद था लेकिन राजेन्द्र पुलिस के हत्थे नही चढ़ा था भागने मे सफ्ल हुए राजेन्द्र को गोसाईगंज पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गाजियाबाद से 50 हजार रूपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गाजियाबाद से 50 हजार रूपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि एसटीएफ मेरठ की टीम ने गौतमबुद्धनगर में वांछित एवं 50 हजार के इनामी बदमाश करणपाल सिंह को गाजियाबाद में हापुड़ चुंगी के पास से मंगलवार रात को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि बदमाश करणपाल सिंह, मेरठ में गंगानगर क्षेत्र के डिफेन्स कालोनी का निवासी है। पूछताछ में करणपाल सिंह ने बताया कि वह भारतीय सेना की छह जाट रेजिमैन्ट बरेली से वर्ष 2009 में रिटायर हुआ था। रिटायर होने के पश्चात वर्ष 2013-2014 में देहरादून में सिक्योर लाईफ इन्वेस्टमैन्ट नामक कम्पनी में कार्य किया। लोगों से पैसों का इन्वेस्टमैन्ट कराया। इसके बाद वर्ष 2016-17 में संजय भाटी निवासी ग्राम चित्ती के सम्पर्क आया, जो गर्वित इनोवेटिड प्राईवेट लिमिटेड (जी0आई0पी0एल0) कम्पनी नोएडा का मालिक था और लोगों से बाईक के नाम पर इन्वेस्टमैन्ट करवाता था। मैंने संजय भाटी के साथ मिलकर बहुत से लोगों को इस कम्पनी के साथ जोड़ा और बाईक के नाम पर इन्वेस्टमेन्ट कराया। कम्पनी द्वारा 62100ध्-रूपयें प्रति बाईक इन्वेस्ट करवाया जाता था और इसके एवज में इन्वेस्टर को एक वर्ष तक 9800ध्- रूपये प्रतिमाह देने का वादा किया जाता था। इस प्रकार एक वर्ष में लगभग दो गुने मुनाफे का लालच देकर लोगों को फंसाया जाता था। एक व्यक्ति द्वारा तीन बाईक लगाये जाने पर एक्स्ट्रा बोनस देने का भी लालच दिया जाता था। इस प्रकार हम लोगों ने कई सौ लोगों को इस कम्पनी के साथ जोड़ कर उनके साथ धोखा कर लगभग 4200 करोड़ रूपयें का घोटाला किया। इस काम में हमारे साथ और भी बहुत लोग जुडेघ् हुए थे। वर्ष 2018 में मुझे संजय भाटी द्वारा उक्त कम्पनी का डायरेक्टर बनाकर साईनिंग अथारिटी दे दी गयी तथा सारे भुगतान मेरे द्वारा ही किये जाने लगे। वर्ष 2019 में जब बहुत पैसा इकट्ठा हो गया तो हम लोग कम्पनी बन्द कर फरार हो गये। मैं भी छिपता-छुपाता ठिकाने बदलता घूम रहा था। आज मैं अपने निजी काम से किसी से मिलने हापुड चुंगी, गाजियाबाद आया था और पकड लिया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर में मु0अ0सं0 592/19 धारा 420/409/467/468/471/120 बी /201 भादवि एंव 58बी आर0बी0आई0एक्ट व 58ए कम्पनी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का पूरे देश में प्रथम स्थान

लखनऊ, संवाददाता। कृषि के साथ किसानों की जीविका पशुपालन से चलती रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पशु, कृषि, खाद, खाद्यान्न एवं ऊर्जा के अच्छे स्रेत रहे हैं। जनसंख्या की वृद्धि से उ0प्र0 देश का सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ ही यहाँ विकास की अपार सम्भावनायें हैं। पशुपालन प्रदेश में गरीब, ग्रामीण, जीवन की आजीविका के प्रमुख आधार रहे हैं। गाय, भैस, बकरी, भेड़, सुअर, मुर्गी आदि पशुधन कृषि के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदेश सरकार पशुधन विकास के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों उन्नत प्रजनन, पशु रोग नियंत्रण, उन्नत पशुपोषण, आधुनिक पशुधन प्रबन्धन आदि के माध्यम से दुग्ध व पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि कर रही है। साथ ही उनका कुपोषण भी दूर हो रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन हेतु किये गये विभिन्न कार्यो का ही परिणाम है कि उ0प्र0 देश में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुधन विशेषकर गोवंश के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। निराश्रित, बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश में कई वृहद गोसंरक्षण केन्द्र बनाये गये हैं।

यूपी में नही रुक रहे अपराध

सपा नेता ने सीएम से मांगा इस्तीफा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में जंगल राज का आरोप लगाते हुए हाथरस कांड में सभी दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।सपा के वरिष्ठ नेता डॉ एसपी सिंह कुशवाहा ने आज यहां अपने बयान में कहा है कि हाथरस ही नही आये दिन यूपी में जगह जगह अपराध हो रहे हैं दुष्कर्म जैसी घटनाएं आये दिन सामने आ रही हैं लेकिन सरकार दोषियों को सजा दिलाने के बजाय उन्हें बचाने का काम कर रही है।डॉ कुशवाहा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं और नाबालिग बच्चियों के साथ जघन्य अपराध की घटनाये आये दिन हो रही हैं जिसको रोक पाने में राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरह से अक्षम साबित हो रही है। डॉ कुशवाहा ने यूपी में पूरी तरह से जंगल राज कायम होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की है। सपा नेता ने कहा की उत्तर प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो जहां अपराध न हो आये दिन गंभीर मामले सामने आ रहे है। देश के सबसे बड़े सूबे में आये दिन हो रही आपराधिक घटनाये बेहद निंदनीय के साथ समाज के लिए चिन्तनीय भी है ।उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू होकर काम कर रही है जिससे न तो विकास हो रहा है और न ही जनता की तकलीफे कम हो पा रही है।किसान ,नौजवान ,महिलाये सब परेशान है उनकी सुनने वाला कोई नही है।डॉ कुशवाहा ने कहा कि जनता को झूठे आश्वासनों से बरगला कर सत्ता हथियाने वाले लोगो की सच्चाई अब जनता जान गई है जिससे भाजपा सरकार अब बौखलाहट में अपना आत्म संतुलन खो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में भाजपाई कानून व्यवस्था को लेकर काफी हो हल्ला मचाते थे अब जब चारो ओर जंगल राज कायम है तो भाजपाई शांत क्यो है। डॉ कुशवाहा ने कहा कि अब अन्याय अत्याचारों व बदले की भावना से प्रदेश की जनता कराह उठी है जिससे 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में यूपी में निश्चित ही बदलाव आएगा।उन्होंने कहा कि अगर अब यूपी में महिलाओ, किसानों,नौजवानों और गरीबो पर अत्याचार न रुका तो समाजवादी पार्टी की अगुवाई में कुशवाहा समाज आंदोलन करने को बाध्य होगा।

बीएसपी चलाएगी ब्राह्मण जोड़ो अभियान, 5 प्रमुख नेताओं की निगरानी में टीम करेगी काम

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने यूपी में होने वाले (2022 विधान सभा चुनाव) चुनाव को देखते तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी इस बार को चूक नहीं करना चाहती है। उत्तर प्रदेश में तीन बार सत्ता से दूर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार कोई गलती नहीं कराना चाहती है। पार्टी प्रमुख ने ब्राहमणों को लुभाने के लिए ब्राहमण महासचिव शतीशचन्द्र की अध्यक्षता में ब्राहमण जोड़ो अभियान चलाएगी। इसे लेकर तैयारी पूरी हो गई है,इस कार्यक्रम का आयोजन नवरात्रि से शुरू होगा।

बता दें कि बहुजन समाज पार्टी 2012 से उत्तर प्रदेश की सत्ता से दूर होने के बाद कितने भी प्रयास कर ही है। लेकिन उसे सफ्लता नहीं मिल रही है। इस लेकर पार्टी हमेशा नये-नये फार्मूले का प्रयोग कर रही है। इस बार पार्टी ने ब्राहमणों को लेकर चलने का फैसला करती है। लेकिन अब देखना है कि प्रदेश में आने वाले चुनाव में कितना सफ्ल हो पाती है। गौरतलब है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्षी पार्टियां इस समय सरकार पर हमलावर है। वही प्रदेश में कई ब्राहमणों की हत्या, ब्राहमणों एनकाउंटर पर सवाल खड़े हुए है। अब समय ही बताएगा कि ब्राहमण मतदाता को किससे पास जाते है। फिलहाल बहुजन सामजपार्टी ने नवरात्रि से चलेगा ब्राह्मण जोड़ों अभियान चलाएगी। इस बारे में पार्टी महासचिव लगातार कर रहें है। बैठकों का सिलसिला तेजी से किया जा रहा है। 5 प्रमुख नेताओं की निगरानी में टीम काम कर रही है। इसके लिए सभी जिलों टीम बनाई गई है।

परिवारजनों को नहीं है सरकारी जांच एजेन्सी में विश्वासः एआईपीएफ

लखनऊ, संवाददाता। पीड़िता के परिवार के लोगों का राज्य व केन्द्र की सरकार में कतई विश्वास नहीं है। इसलिए वे किसी सरकारी एजेन्सी से जांच कराने को तैयार नहीं हैं। यह बातें हाथरस के बूलगढ़ी गांव में बर्बर हमले का शिकार हुई पीड़िता के परिवारजनों ने आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की जांच टीम से कहीं। एआईपीएफ के नेता दिनकर कपूर, मजदूर किसान मंच के महासचिव डॉ. बृज बिहारी, वर्कर्स फ्रंट के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर दुर्गा प्रसाद, युवा मंच के नागेश गौतम की टीम ने 5 अक्टूबर को हाथरस घटना की जांच की थी। टीम ने पीड़िता के परिवारजनों से अपनी संवेदना व्यक्त की और उनके माता, पिता, दोनो भाईयों व परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की जिसकी रिपोर्ट एआईपीएफ के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी को सौंपी गई। टीम की रिपोर्ट के आधार पर प्रेस को जारी अपने बयान में दारापुरी ने कहा कि मरने से पहले मजिस्ट्रेट के सामने पीड़िता का यह बयान कि उसके साथ रेप हुआ स्वतः प्रमाणित करता है कि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्चस्तरीय अधिकारी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और अपराधियों को दण्ड़ित कराने की जगह पीड़िता के साथ रेप नहीं हुआ ऐसा कहकर पूरे मामले की हो रही जांच की दिशा को ही भटका रहे हैं। जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर एआईपीएफका यह मानना है कि जांच अब इस बात की होनी चाहिए कि रेप जैसे आपराधिक कृत्य करने वाले लोगों को कौन संरक्षण दे रहा है और अभी भी पीड़ित परिवार की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। जांच रिपोर्ट के आधार पर एआईपीएफने पुनः यह तथ्य रेखांकित किया कि बलात्कार के दोषियों के पक्ष में भारतीय जनता पार्टी से सम्बद्ध लोग जातीय उन्माद पैदा कर रहे हैं और प्रदेश सरकार और मीडिया का एक हिस्सा भी पूरे घटनाक्रम को साम्प्रदायिक दिशा देने में लगा हुआ है जो लोकतंत्र के लिए कतई शुभ नहीं है। जांच टीम ने पुनः यह नोट किया कि सामंती अवशेष और विकास मदों की लूट से बनी माफिया पूंजी का गठजोड़ दलित समेत समाज के सभी शोषित, दमित लोगों का उत्पीड़न करती है, जिसका योगी सरकार में मनोबल बहुत बढ़ा हुआ है। यही वह ताकतें हैं जो सोनभद्र के उभ्भा से लेकर हाथरस के बूलगढ़ी तक हमले करवाती हैं। यह ताकतें निचले स्तर पर राजनीतिक दलों के पक्ष में काम करती हैं और समाज के जनवादी विकास को रोकती हैं और सामाजिक तनाव को बढ़ाती है। बूलगढ़ी में दमन झेलते हुए विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को इन ताकतों के प्रति अपना रूख साफ करना चाहिए।

विद्यालयों को खोले जाने में कोविड-19 प्रोटोकाल का विशेष ध्यान रखा जायेः जिलाधिकारी

लखनऊ, संवाददाता। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट स्थित डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सभागार में कोविड-19 के कारण विभिन्न बोर्ड से संचालित वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों एवं अभिवावकों की समस्याओं एवं भविष्य में विद्यालय संचालन में बच्चों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय प्रबंधन के प्रतिनिधियों एवं अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न हुयी। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित विद्यालयों, अभिभावक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड-19 के प्रोटोकाल को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार ही अभिभावक के लिखित सहमत से ही स्कूल खोले जायें। उन्होंने कहा कि आनलाइन द्वारा कक्षायें जारी रहेंगी जिसे प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कक्षा 10 व 12 के विद्यालय खोले जाने, द्वितीय चरण में कक्षा 9 व 11 खोले जायें, तृतीय चरण में फीड बैक आने के बाद छोटे बच्चों के विद्यालय खोलने का निर्णय लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यालयों में एक मेडिकल रूम बनाया जायें, जिसमें दो बेड हो, चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होने के साथ ही चिकित्सीय जानकारी रखने वाली व्यक्ति उपस्थित रहें पल्स आक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर, सैनेटाइजर प्रत्येक छात्र के कक्षा में आने व जाने के समय पल्स आक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर जांच की जाये। उन्होंने कहा कि विद्यालय का समय दो शिफ्टों में 3-3 घण्टे का होगा एसेम्बली नही होगी साथ ही स्कूल में 6 दिन का सप्ताह रहेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय खुलने से पहले छात्रों के बैठने के स्थान पर, खेल के मैदान में सैनेटाइजेशन अवश्य किया जायें, कमरो की खिड़कियां व दरवाजे खुले रखे जायें।

भाजपा-आरएसएस दोनों का चरित्र संदिग्ध

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा और आरएसएस दोनों का चरित्र संदिग्ध पाया जाता है। इनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर पाया जाता है। कहने को बड़े-बड़े वादे, मीठी-मीठी बातें किन्तु हकीकत में झूठ और कुप्रचार ही दिखाई देता है। मुख्यमंत्री न तो किसानों-नौजवानों का हित कर पाए हैं और नहीं बहू-बेटियों की इज्जत बचा पाते हैं। हर तरह से असफ्ल भाजपा सरकार प्रदेश की जनता पर भार बन गई है। मुख्यमंत्री को विपक्ष से शिकायतें ही शिकायतें हैं। हर समय उन्हें अपनी कुर्सी जाने का डर सताता है। कभी उन्हें कोई साजिश दिखती है तो कभी विपक्ष के पास विजन न होने की शिकायत होती है। जबकि सच्चाई इसके उलट है। साजिश रचने में भाजपा की महारत में तनिक भी किसी को संदेह नहीं। अफ्वाहबाजी में उनका जवाब नही। रही बात विजन की तो भाजपा का विजन साफ है, समाज को बांटना और नफ्रत पैदाकर सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना है। मुख्यमंत्री जी को इधर-उधर की बहानेबाजी छोड़कर बताना चाहिए कि उत्तर प्रदेश साढ़े तीन वर्षों में तबाही के रास्ते पर क्यों चला गया, उत्तर प्रदेश में सरकारी झूठ का ताजा नमूना है कि अच्छी क्वालिटी के धान का अधिकतम सरकारी रेट 1888 रूपये प्रतिकुंतल निर्धारित है जबकि किसान 1000 से लेकर 1300 रूपए प्रति कुंतल तक बेचने को मजबूर है। क्या किसान की दुगनी आय का यही तरीका है? किसान को अगली फसल बोने के लिए खाद, बीज, डीजल, कीटनाशक की जरूरत पर कर्ज लेना ही होगा? जब कर्ज से उबरने का कोई तरीका नहीं दिखता है तो किसान आत्महत्या कर लेता है। महाराजगंज सदर के ग्राम मौजा पोस्ट चेहरी पिपरा रसूलपुर सदर के विकासखण्ड सदर के किसानों ने पाइनियर कम्पनी का अच्छा बीज समझकर 360 रूपए प्रति किलो के हिसाब से खरीद कर खेत में धान की रोपाई की, किन्तु बाली निकलने के बाद उसमें दाने नहीं आये हैं। अब किसान क्या करें,पढ़ा लिखा नौजवान मारा-मारा घूम रहा है। प्रदेश में न तो पूंजी निवेश हो रहा है और नहीं नए उद्योग लग रहे है। रोजगार के अवसर सृजित होने के बजाय बाधित होते जा रहे है। भर्तियों का हल्ला है पर छंटनी का जोर है। स्कूल कालेज बंद है पर अभिभावकों पर फीस जमा करने का दबाव है। गांवों में बिजली नहीं, नेट कनेक्शन नहीं, लैपटाप-स्मार्टफोन नहीं पर सरकार ऑनलाइन पढ़ाई के कसीदे पढ़ रही है। हाथरस में एक बार फिर हैवानित हुई है। इगलास में 6 साल की बच्ची से रेप और इलाज के बीच बेटी को दम तोड़ देना अत्यंत दुःखद। एक बेटी पर हुए अत्याचार को विपक्षी साजिश बता आधीरात में उसका शव जलाने वाली निर्लज्ज सरकार अब क्या बहाना पेश करेगी, यूपी में जंगलराज की तस्वीर देखिए- मथुरा में पुस्तक व्यवसायी की हत्या, कानपुर देहात में लापता युवक की हत्या, कौशाम्बी में छेड़खानी का विरोध करने पर महिला की हत्या, बरेली में छात्रा का अपहरण कर बलात्कार, गोरखपुर में दिव्यांग किशोरी से दुष्कर्म।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में धान खरीद योजना तैयारी बैठक सम्पन्न

लखनऊ, संवाददाता। मण्डलायुक्त रंजन कुमार की अध्यक्षता में लखनऊ मण्डल के जनपदों में धान खरीद योजना विषयक तैयारी एवं सुचारू संचालन के सम्बन्ध में मण्डलीय बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें सम्भागीय खाद्य नियंत्रक लखनऊ मण्डल लखनऊ संतोष कुमार सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी व नामित एजेन्सियों के मण्डल प्रभारी उपस्थित थे। समीक्षा में संभागीय खाद्य नियंत्रक द्वारा अवगत कराया गया कि शासन द्वारा इस वर्ष धान क्रय करने हेतु ग्यारह एजेन्सी नामित की गयी है। पिछले वर्ष मण्डल में धान क्रय करने का लक्ष्य 544 हजार मीट्रिक टन था जिसके सापेक्ष 630 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद की गयी थी इस वर्ष का लक्ष्य अभी प्राप्त नही हुआ है। मण्डल के जनपदों में कुल 394 धान क्रय केन्द्र बनाये गये है तथा क्रियाशील कर दिये गये है, जिसमे लखनऊ में 16, क्रय केन्द्र, उन्नाव में 28 क्रय केन्द्र, रायबरेली में 62 क्रय केन्द्र, हरदोई में 61 क्रय केन्द्र, सीतापुर में 99 क्रय केन्द्र व खीरी में 128 क्रय केन्द्र क्रियाशील है, इनको आगे आवश्यकतानुसार और बढ़ाया जायेगा। वर्तमान में 254 हजार मीट्रिक टन धान क्रय करने हेतु बोरों की उपलब्धता है। क्रय केन्द्रो पर किसानों की सुख सुविधाओं हेतु पर्याप्त व्यवस्थायें की जाये जिसमें उनके बैठने की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, हाथ धोने हेतु साबुन की व्यवस्था व हैण्ड सेनेटाइजर। प्रत्येक क्रय केन्द्र पर बैनर लगा होना चाहिए जिसमें केन्द्र प्रभारी, क्रय एजेन्सी के जिला स्तरीय अधिकारी, डिप्टी आर0एम0ओ0 व सम्बन्धित उप जिलाधिकारी का नम्बर अंकित हो तथा बैनर में अंकित सम्बन्धित अधिकारियों को एक पत्र प्रेषित किया जाये कि उनका नम्बर 24 घण्टे उपलब्ध रहें तथा आने वाली प्रत्येक काल को वह रिसीव करें, यदि कहीं पर भी शिकायत मिलती है कि सम्बन्धित अधिकारी द्वारा काल रिसीव नही की गयी तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

चोरी लूट करने वाले दोस्तों ने हत्या कर बंधे पर फेंकी लाश,गोरखनाथ पुलिस ने किया पर्दाफाश

गोरखनाथ पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

गोरखपुर/गोरखनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेता सुभाष चंद्र बोस नगर कॉलोनी के पास बधे पर मिली लाश बांसगांव इलाके के दोनखर निवासी राहुल सिंह की निकली। टेंपो पर लगा अज्ञात शव का पोस्टर देखकर मामा ने युवक की पहचान की। राहुल की हत्या लूट के पैसे के बंटवारे में हुए विवाद के दौरान हुई थी। उसके साथ ही चोरी और लूट करने वाले बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। नशे में सिर कुचकर लाश को बंधे के किनारे फेंक गए। गोरखनाथ पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चारों आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की तो कहानी सामने आई। बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार ने पुलिस लाइन के व्हाइट हाउस में इसकी जानकारी दी। बताया कि लॉक डाउन में राहुल सिंह जी से छूटा था। उस पर वाहन चोरी के कई मुकदमे दर्ज थे। 28 अगस्त 2020 की रात एक युवक की हत्या कर दी गई थी। गोरखनाथ थाना क्षेत्र इलाके में लाश फेंककर बदमाश फरार हो गए।युवक की पहचान के लिए पुलिस ने पोस्टर जारी किया। सोशल मीडिया पर भी फोटो वायरल की गई। थाना पर पहुंचे सुनील चंद ने पुलिस को बताया कि लाश उनके भांजे राहुल की है।

जो 22 मई 2020 को वाहन चोरी के आरोप में जेल से छूटा है। पुलिस ने आगे की जांच की पता लगा कि जेल में मिले अहमद उर्फ़ अली उर्फ नाटे ने अपने साथियों संग मिलकर राहुल की हत्या की है। वर्ष 2019 में नाटे कई साल बाद जमानत पर बहार आया। तभी से वह चोरी और लूट की घटना को अंजाम देने लगा।लूट की रकम के बंटवारे को लेकर विवाद होने पर उसने साथियों संग मिलकर राहुल की हत्या कर दी। लेकिन किस चोरी लूट में पैसे की बंटवारे का विवाह हुआ था। यह जानकारी अभी तक सामने नहीं आ सकी है। 1,अहमद उर्फ़ अली उर्फ नाटे पुत्र स्वर्गीय अब्दुल समद, निवासी साढ़े छह फीट वाली गली, खूनीपुर कोतवाली। 2, इरफान पुत्र अजहर निवासी अजय नगर भट्ठा कालोनी थाना गोरखनाथ। 3, सलीम पुत्र शब्बीर अहमद निवासी भिटनी, मदरसा थाना तिवारीपुर। 4, गुलजार पुत्र आलम निवासी भिटनी मदरसा थाना तिवारीपुर को। पुलिस ने गिरफ्तार करने जेल भेज दिया।

ग्यारह हजार हाईटेंशन लाइन से व्यक्ति की दर्दनाक मौत

रुद्र प्रताप सिंह लखनऊ। मलिहाबाद रहीमाबाद ससपन फीडर में आने वाला गावँ विकासखंड माल थाना मलिहबाद के अनीपुर गावँ में बुधवार दोपहर लगभग दस या ग्यारह बजे के बीच की घटना अपने घर से पानी लगाने यक्ति खेत गए था वहां ग्यारह हजार हाईटेन्सन लाइन का तार किसी कारण वश टूट जाने से खेत मे गिरा पड़ा था जिसकी चपेट में आने से यक्ति की मौत हो गयी जिसका नाम नंहक्के चौधरी पाल है जिनकी उम्र लगभग 65 वर्ष है और इसकी पत्नी की काफी समय पहले उनकी मौत हो चुकी थी जिसके कारण वह और उसका बेटा और एक बहू के साथ घर पर रहते थे लड़के का नाम श्याम लाल पाल उम्र लगभग 32 वर्ष है और उसकी शादी भी कुछ समय पहले हो चुकी

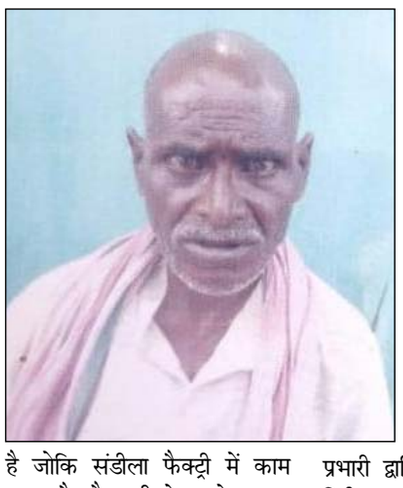

है जोकि संडीला फैक्ट्री में काम करता है और उसी से अपने घर का खर्चा चलाता है और और उसके पिताजी खेती किसानी का काम कर अपना पालन पोषण करते थे ग्राम पंचायत ससपन मजरा अनीपुर का मूल निवासी है विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो देखा की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने के कारण खेत में यक्ति पड़ा था विद्युत विभाग के कर्मचारी ने मौके पर पहुंच कर इसकी सूचना गांव वालों को दी और मलिहाबाद पुलिस को इस विषय मे सूचना मिलते ही मलिहाबाद थाना प्रभारी चिरंजीव मोहन रहीमाबाद चौकी प्रभारी द्वारिका प्रसाद प्रजापति उप निरीक्षक राजमणिपाल कांस्टेबल गिरजा शंकर अमरेश चौहान मोहित फोर्स के साथ शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जांच में जुटी पुलिस।

गहमागहमी के बीच हुआ कोटेदार का चयन

मेजा, प्रयागराज। उरुवा ब्लॉक के चोरबना में बीते कई माह से निरस्त चल रही सरकारी राशन की दुकान का गाँव की जनता ने अधिकारियों के समक्ष चयन कर दुकानदार नियुक्त कर दिया। बता दें चोरबना गाँव के कोटेदार की मनमानी एबम तानाशाही के चलते कार्ड धारकों की शिकायत पर कोटे की दुकान की सप्लाई इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी ने जांच किया था। इस दौरान उक्त दुकान की ढेरों अनियमितता पाए जाने पर दुकान को निरस्त एव कोटेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था।

बीते कई माह से निरस्त चल रही सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन हेतु, बुधवार की दोपहर ग्रामीणों की खुली बैठक बीडियो उरुवा सीपी श्रीवास्तव एवं ग्राम पंचायत अधिकारी रागिनी श्रीवास्तव व प्रधान प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद यादव द्वारा बुलाई गई। इस दौरान एक पक्ष से जयदेवी पत्नी राजेश यादव को कुल 139 मत मिले, जबकि दूसरे पक्ष संजुदेवी पत्नी आनंद गुप्ता को 98 मत मिले। इस दौरान जयदेवी ने 41 मतों से सरकारी कोटे की दुकान अपने नाम कर लिया। उक्त बैठक में गहमा गहमी भी एक दूसरे में हुई, लेकिन मौके पर रही पुलिस प्रसाशन ने मोर्चा संभाल लिया। वहीं ग्रामीण रामचन्द्र यादव, दीपू यादव,सुरेश यादव सहित भारी जनसंख्या में लोग उपस्थित रहे।

क्राइम ब्रांच की टीम ने एक मुन्ना भाई को असुरन चौराहा से किया गिरफ्तार

गोरखपुर/क्राइम ब्रांच के सुनील कुमार पटेल की टीम में शामिल निरीक्षक कन्हैया लाल यादव उप निरीक्षक साहब सिंह ने शाहपुर थाने में दर्ज धोखाधड़ी व कूट रचित के मामले में वांछित चल रहे चंद्रकांत को शाहपुर थाना क्षेत्र के असुरन चौराहा से गिरफ्तार किया गया है।घटना का खुलासा करते हुए एसपी क्राइम अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि शाहपुर थाने पर 10 मार्च 2019 को मुकदमा पंजीकृत था जिसमें दूसरे के नाम पर परीक्षा दे रहा आरोपी जितेंद्र कुमार गुप्ता को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। मामले की विवेचना क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी, इस मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त चंद्रकांत कुमार को क्राइम ब्रांच की टीम ने शाहपुर थाना क्षेत्र के असुरन चौराहा के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी ट्रिपल सी की परीक्षा के लिए जितेंद्र कुमार गुप्ता को अपने स्थान पर बैठाकर परीक्षा दिला रहा था।

नगर निगम का कूड़ा रखने की जमीन का निरीक्षण करने पहुंचे गोरखपुर के कमिश्नर

40 एकड़ भूमि की जाएगी अधिग्रहित

गोरखपुर,/नगर निगम के कूड़ा निस्तारण के लिए काफी समय से चली आ रही समस्या के समाधान के लिए जिले के आला अधिकारी प्रयासरत हैं।इसी का परिणाम है।

मालूम हो कि सहजनवा तहसील क्षेत्र के कसरावल ग्राम पंचायत सुथनी गांव समीप भूमि चिन्हित किया। जिसको देखने गोरखपुर के मंडला आयुक्त जयंनत नार्लीकर चिन्हित जमीन पर पहुंचे और उसका निरीक्षण किया यह धूम गोरखपुर नगर निगम से निकलने वाले कचरे की डंपिंग के लिए चिन्हित किया गया। इसमें सूखे हुआ गीले कचरे लाकर डंपिंग किए जाएंगे और भविष्य में रीसाइक्लिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर वर्मी कंपोस्ट भी तैयार की जाएगी लेकिन अभी इसकी सूची के लिए टेक्निकल टीम भी इसका सर्वे करेगी। और जब वह इसे हरी झंडी देगी तभी कूड़ा डंपिंग के लिए इसे नगर निगम द्वारा काश्तकारों से अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरू होगी हालांकि किसानों में अब यह चर्चा शुरू हो गई है की नगर निगम द्वारा उनकी भूमि का अधिग्रहित करने की कवायद शुरू हो गई है। अब देखना है कि किसान अपनी भूमि देने के लिए तैयार होते हैं या नहीं और गोरखपुर नगर निगम की यह प्रस्तावित योजना साकार मूर्त रूप लेती है या नहीं एडीएम एफआर राजेश सिंह प्रभारी एसडीएम सहजनवा अरुण मिश्र तहसीलदार सहजनवा लालजी विश्वकर्मा नायब तहसीलदार अमित सिंह चीफ इंजीनियर नगर निगम सुरेश चंद हल्का लेखपाल अनमोल सिंह सही अनेक लोग मौजूद रहे।

अतीक ही क्यों, कटघर में किये गए अवैध निर्माण कब ध्वस्त होंगे? उदय प्रताप सिंह

प्रयागराज। प्रयागराज में अतीक अहमद समेत तमाम माफियाओं के अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया जोरों पर है, परंतु ऐसे तमाम निर्माण शहर में हुए हैं जिसपर प्रयागराज विकास प्राधिकरण की या तो नजर नहीं जा रही है,या वह किसी कारणवश कार्यवाही नहीं करना चाहता। इसी तरह से शहर के कटघर (इविंग क्रिश्चियन कॉलेज के पास) हुए अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण हेतु सामाजिक कार्यकर्ता उदय प्रताप सिंह द्वारा प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मंडलायुक्त आर रमेश कुमार से शिकायत की गई है। उदय प्रताप सिंह ने बताया कि कटघर क्षेत्र में इविंग क्रिश्चियन कालेज के पूर्व प्राचार्य मर्विन मैसी सहित एक दर्जन से अधिक का मकान का ध्वस्तीकरण का आदेश प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा दो वर्षों से पहले से किया गया है लेकिन आज तक ध्वस्त नहीं किया गया। जब नींव खोदी तब शिकायत की गई लेकिन काम नही रुका, पाइलिंग हो गयी फिर शिकायत की गई फिर भी काम नही रुका, एक छत पर लिंटर पड़ा दो मंजिला बना तीन मंजिला बन सब की शिकायत की गई लेकिन विकास प्राधिकरण द्वारा दिखावे के लिए मात्र कागज पर खानापूर्ति करते हुए कागज पर पेनाल्टी के साथ ध्वस्तीकरण का आदेश कर दिया लेकिन आज तक न तो मकान का निर्माण रोका गया और न ही कोई प्रभावी कार्यवाही की गई इसके अलावा आज खुलेआम प्रयागराज विकास प्राधिकरण को चुनौती देते हुए अन्य लोग भी बिना नक्शा पास कराए धड़ल्ले से मकान का निर्माण कर रहे है।

खुलेआम अबैध निर्माण कर्ता कहते है कि विकास प्राधिकरण के लोगो की कीमत 10,000/ अगर मौके पर आ गए और अगर कार्यालय जाना पड़ा तो 25000/ पचीस हजार मात्र है, जब काम 25000/ में हो जा रहा है तो लाखों रुपये दे कर नक्शा क्यो पास कराए? जब बिना नक्शे के ही मकान बन जा रहा है, आज भी कटघर क्षेत्र में बिना नक्शा पास के कई अबैध निर्माण बंगलो का हो रहा है, मकानों के हो रहा है एक दो दिन के लिए निर्माण कार्य रुकता है फिर शुरू हो जाता है। शहर में जहाँ एक तरफ अबैध निर्माण को लेकर बड़े बड़े माफियाओ का निर्माण ध्वस्त किया जा रहा है वही दूसरी तरह अबैध निर्माण कराया जा रहा है। जब कोई विकास प्राधिकरण का निरीक्षक या अधिकारी निर्माण को रुकवाता है तो निर्माण कार्य तेजी से होने लगता है, दिन रात काम लग जाता है। ऐसे में स्मार्ट सिटी के तहत शहर का विकास कैसे हो गा, अगर ऐसे ही शहर में अबैध निर्माण होता रहा । उदय प्रताप सिंह ने कहा कि एक तरफ अबैध निर्माण को ढहाया जा रहा है दूसरी तरफ अबैध निर्माण कराया जा रहा है। अब ऐसा लगता है कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण व इनके अधिकारीगण सिर्फ अबैध निर्माण को हमेशा ढहाएंगे कोई अन्य सकारात्मक कार्य करने के लिए न समय बचेगा न पैसा होगा।

नगर निगम बोर्ड की बैठक में पार्षदों ने किया हंगामा, लगाया आरोप

सदन की 15वीं बैठक विरोध और हंगामे के बीच हुआ संपन्न

गोरखपुर/नगर निगम सदन की 15 वीं बैठक बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। वर्चुअल आयोजित होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम विपक्षी दलों के पार्षदों को बुलाए जाने का मुद्दा सपाइयों ने उठाया और सदन का बहिष्कार किया। वाडो में काम न होने पर भाजपा के पार्षदों ने भी सवाल उठाए।

नगर निगम सदन की बैठक पहली बार एनेक्सी भवन में आयोजित की गई। आज की बैठक में महापौर सीताराम जायसवाल, नगर आयुक्त अंजनी कुमार सिंह, के अध्यक्षता में शुरू हुई बैठक के शुरुआत में ही हंगामे की भेंट चढ़ गए। बताया जाता है कि सपा के जियाउल इस्लाम ने पार्षद वरीयता के काम न होने पर नाराजगी जताई और नगर आयुक्त से तत्काल जवाब देने को कहा। नगर आयुक्त ने 18लाख रुपए तक के कार्य कर आए जाने की जानकारी दी तोकई पार्षदों ने अपने वार्ड में काम न होने पर हंगामा किया। इस पर नगर आयुक्त ने सभी वार्डों में 5 लाख रुपए के कार्यों की अनुमति दी।इसमें मनोनीत पार्षदों को भी पांच लाख रुपए के कार्य दिए गए। हालांकि पार्षद इससे संतुष्ट नहीं दिखे। कृष्णा नगर वार्ड में पार्षद सबी चौहान ने 10 महीने से जल भराव और टूटी सड़कों को न बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वह अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नगर आयुक्त ने कहा कि पार्षद के आरोप गलत हैं। वह और मुख्य अभियंता वार्ड का निरीक्षण कर चुके हैं। समस्या दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व उप सभापति व रासी नगर के पार्षद बृजेश सिंह उर्फ छोटू ने शहर के 15 पार्कों में एयरटेल कंपनी के मोबाइल टावर लगाने पर सवाल उठाए। कहा कि किन नियमों के तहत कंपनी को टावर लगाने की अनुमति दी गई है। नगर निगम सदन की बैठक में पहली बार राज्य सभा सदस्य जयप्रकाश निषाद भी शामिल हुए। सपा के पार्षदों ने जब सदन का कार्य बहिष्कार किया तो उन्होंने भी सभी को समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई नहीं माना।

मारने पीटने व अश्लीलता को लेकर थाने में दी तहरीर

मेजा, प्रयागराज। थाना क्षेत्र के सोनाई गांव निवासिनी एक महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर पति को मारने पीटने, अश्लील हरकत एवं जान से मारने की धमकी पर आरोपित करते हुए तहरीर दिया है। महिला के मुताबिक मेरे पति सरोज कुमार दैनिक समाचार पत्र हिंदुस्तान के हाकर हैं। अखबार बांटने गए हुए थे, बुधवार समय लगभग 10ः00 बजे दिन रितेश कुमार उर्फ दिनू पुत्र आनंद कुमार सिंह सोनाई थाना मेंजा जो ट्रक चालक हैं। मेरे दरवाजे के सामने ट्रक ले आकर खड़ी कर दिया। घर के बाहर आने जाने के लिए रास्ता नहीं बचा था। चालक से रास्ता छोड़कर ट्रक खड़ी करने की बात कही, जिस पर ट्रक चालक रितेश कुमार मुझ महिला को भला बुरा कहने लगा। इसी बीच मेरे पति भी आ गए। उन्होंने भी ट्रक हटाने को कहा। इसी बात पर रितेश कुमार मेरे पति को मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारने दौड़ा। मेरे पति अपनी जान बचाकर भागे और घर के अंदर चले आए।

हाथरस की घटना से भाजपा और आरएसएस का असली चेहरा सामने आया: रजनी पाटिल

➲ भाजपा के नेताओं द्वारा हाथरस की बिटिया सहित महिलाओं, बेटियों पर की गयी अभद्र टिप्पणी भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करता है- रजनी पाटिल ➲ सुप्रीमकोर्ट में उ0प्र0 सरकार द्वारा दाखिल हलफ़नामा सफेद झूठ का पुलिन्दा, योगी सरकार के झूठ का पर्दाफाश करना जरूरी- सुष्मिता देव ➲ सुप्रीमकोर्ट में नोटिस पूर्व दाखिल हलफनामा योगी सरकार को बचाने का प्रयास- सुष्मिता देव ➲ त्वरित कार्यवाही का सच सामने आया, एसआईटी की जांच 7 दिन से 10 दिन आगे बढ़ी- सुप्रिया श्रीनेत ➲ रात्रि में शव जलाना हिन्दू धर्म और संस्कृति के विरूद्ध है, योगी राज में हिन्दू संस्कृति का हो रहा है अपमान- सुप्रिया श्रीनेत ➲ महिला आयोग का गठन दो माह से न होना योगी सरकार की महिला विरोधी मानसिकता का परिचायक- आराधना मिश्रा 'मोना' ➲ बेटियों की सुरक्षा करने में विफल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दें- आराधना मिश्रा 'मोना'

लखनऊ। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य व पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती रजनी पाटिल ने हाथरस की स्तब्धकारी घटना पर भाजपा नेताओं के आ रहे शर्मनाक बयान पर कहा कि मैं महाराष्ट्र से हूं, शिवाजी महाराज अपने दुश्मनों की बहन, बेटियों, पत्नियों को भी बहन, बेटी और माँ कहकर सम्बोधित करते थे, परन्तु भाजपा के उ0प्र0 के अलग-अलग जनपदों के नेता बेटियों और पीड़िता को लेकर जो बयान दे रहे हैं वह दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विवादित बयान कि बच्चियां अकेले चलने में सक्षम नहीं होती की भी भर्त्सना की। उन्होने कहा कि लचर कानून व्यवस्था और अपराधियों पर राजनीतिक संरक्षण के चलते आज उ0प्र0 में अपराध बढ़ रहे हैं। भाजपा के लोग बलात्कारियों के समर्थन में उतरते आये हैं जो बेहद शर्मनाक है। उ0प्र0 की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था आज पीड़िता के बजाए आरोपियों के पक्ष में उतर आयी है। उ0प्र0 का रावणराज आज खुलकर सामने आ गया है। उन्होने कहा कि हमारे नेता राहुल जी और प्रियंका जी द्वारा हाथरस के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जाते समय जो उनके साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी हुई है योगी जी को सचेत करना चाहती हूं कि आज जिस जनता ने आपको सत्ता दी है वही जनता कल आपको पलट देगी।

अ0भा0 महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुश्री सुष्मिता सेन ने कहा कि कल हाथरस की घटना को लेकर सुप्रीमकोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई जिसमें उ0प्र0 सरकार द्वारा दाखिल हलफनामा पूरी तरह सफेद झूठ का पुलिन्दा है। आश्चर्यजनक तो यह है कि नोटिस जारी होने के पहले ही सरकार 136 पेज का हलफनामा दाखिल करती है, वह हाथरस की मृतका जिसके साथ रेप हुआ उसे न्याय मिले, पीड़ित परिवार को सुरक्षा मिले इसके लिए नहीं बल्कि आदित्यनाथ सरकार को कैसे बचाया जाए इसके लिए दाखिल किया गया जो सफेद झूठ है। दाखिल हलफनामा में उ0प्र0 सरकार ने कहा कि मृतका के शव का परिवार की रजामंदी के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लेकिन पूरे देश ने देखा कि कैसे 2.30बजे रात्रि में उसकी लाश केरोसीन डालकर जला दिया गया और परिवार वाले रोते रहे उनकी नहीं सुनी गयी। हलफनामे में दूसरा झूठ यह कहा गया है कि दो-दो फोरेंसिंक जांच 22 सितम्बर के बाद हुईं। 22 सितम्बर के बाद हुई फोरेंसिक जांच में रेप की पुष्टि नहीं हुई। जबकि मृत्यु के पूर्व दिये गये बयान में खुद मृतका ने कहा कि उसके साथ रेप हुआ है और गैंगरेप हुआ है। यूपीए सरकार में 2013 में निर्भया काण्ड के बाद सीआरपीसी में बदलाव करते हुए रेप के प्रयास को भी रेप माना है यह योगी आदित्यनाथ को जानने की जरूरत है। सुप्रीमकोर्ट में जो सफेद झूठ का हलफनामा दिया गया है वह सरासर सुप्रीमकोर्ट की अवमानना है। उन्होने कहा कि योगी सरकार के झूठ का पर्दाफाश करना बहुत जरूरी है।

प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए अ0भा0 कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि आज तक जो भाजपा के प्रवक्ता और नेता सीना ठोंक रहे थे कि त्वरित कार्यवाही की गयी वह यह सच जान लें कि योगी सरकार ने जो एसआईटी का गठन किया था और 7 दिन में रिपोर्ट देने वाली थी उसका समय 10 दिन बढ़ा दिया गया है। सीबीआई जांच का अभी तक नोटीफिकेशन नहीं हुआ है। पूर्व में जिन मामलों में सीबीआई जांच की सिफारिश की गयी थी उनका आज तक नोटीफिकेशन नहीं हुआ है। उन्होने कहा कि सरकार हलफनामे में सरासर झूठ बोल रही है कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के मामले के आये फैसले के चलते अनहोनी की घटना की आशंका में जल्दबाजी में शव को जलाया गया जबकि सच्चाई यह है कि पूरे देश में कहीं भी किसी अनहोनी की घटना नहीं हुई है। सच तो यह है कि हिन्दू धर्म और संस्कृति को ताक पर रखकर मृतका का शव यूपी पुलिस ने केरोसीन डालकर जला दिया। उन्होने कहा किएद हलफनामे में तीसरा सबसे बड़ा झूठ यह बोला गया है जिसके लिए योगी सरकार को शर्म आनी चाहिये योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया और राजनीतिक दलों द्वारा मेरी छवि धूमिल करने की साजिश रची जा रही है। हलफनामे में इसका आधार कुछ ट्विट, फेसबुक पोस्ट और व्हाट्सऐप संदेशों का जिक्र किया गया है जिसमें जिनके नाम दिये गये हैं उनके फालोवर्स 900 से लेकर 1500 तक हैं, क्या इतने बड़े प्रदेश में ये जो जातिगत हिंसा फैलाने की हिम्मत रखते हैं। सच तो यह है कि यह सरकार ही जातिगत हिंसा कराने में जुटी है। अंत में उन्होने कहा कि जहां सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस की घटना पर भयावह शब्द का प्रयोग किया है वहीं प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी, जबकि वह इसी यूपी के सांसद हैं एक भी शब्द नहीं बोला। यूपी की सांसद और बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईशनी द्वारा भी एक भी शब्द न बोलना शर्मनाक है। उन्होने स्मृति ईरानी द्वारा पीड़ित परिजनों से मिलने गये कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर प्रदर्शन का आरोप लगाये जाने पर कहा कि जब वह विपक्ष में थीं क्या वह जो प्रदर्शन करती थीं वह ढोंग था।

कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' ने प्रेसवार्ता में कहा कि उ0प्र0 की योगी सरकार महिलाओं के प्रति अपराध को रोकने में और महिलाओं की रक्षा करने के प्रति कितनी उदासीन है कि दिनांक 06 अगस्त 2020 को महिला आयोग का कार्यकाल समाप्त हो गया है, आज 07 अक्टूबर है, किन्तु दो माह बीत जाने के बाद भी सरकार ने न तो महिला आयोग का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला लिया है। आज की तारीख में महिला आयोग का वैधानिक रूप से कोई अस्तित्व नहीं है। उनके पदाधिकारियों को कोई भी संवैधानिक अधिकार नहीं रह गया है। महिलाओं के प्रति अपराधों में बाढ़ सी आयी हुई है। उ0प्र0 महिला अपराध में इस कदर जकड़ा हुआ है कि मा0 सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि ''उ0प्र0 की स्थिति भयावह है।'' परन्तु महिला विरोधी भाजपा सरकार महिला आयोग का गठन नहीं कर रही है। जिस प्रकार हाथरस सहित बलरामपुर, आजमगढ़, कानपुर आदि जनपदों में घटनाएं हो रही हैं और उ0प्र0 में महिला आयोग का अस्तित्व नहीं है यह बहुत ही शर्मनाक है।

अर्थव्यवस्था में और सुधार जरूरी

इस वित्त वर्ष में अप्रैल और मई दो महीने पूरी तरह लॉकडाउन रहने से अर्थव्यवस्था ठप रही जून में लॉकडाउन में थोड़ी छूट मिली, लेकिन उसमें भी बहुत-सी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, क्योंकि लंबे समय तक बंद रहने के बाद बड़े-बड़े कल-कारखानों को चालू करना इतना आसान नहीं होता हैघ् इसी कारण जून में भी अर्थव्यवस्था लगभग ठप ही रही उसके बाद जुलाई-अगस्त में स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ हालांकि, इसे सामान्य नहीं कहा जा सकता आज भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है, क्योंकि अभी भी कई तरह के प्रतिबंध लागू हैं मांग कम होने से उत्पादन भी कम हो रहे हैं अर्थव्यवस्था में जो सकारात्मक संकेत दिख रहे हैं, दरअसल वह बंदी के बाद फिर से उत्पादन के शुरू होने का असर हैघ् ऐसा तो होना ही था रेलवे में भी मार्च के बाद सुधार होने की बात कही जा रही है, तो यह तो होना ही था, क्योंकि, रेलवे भी लॉकडाउन में ठप पड़ा हुआ थाघ् जब ट्रेनें चलने लगीं, तो रेलवे की आमदनी तो बढ़ेगी ही पिछले साल के मुकाबले भी देखें तो इस वर्ष ज्यादा वृद्धि होनी तय है, क्योंकि पिछले वर्ष की वृद्धि पेंडिंग रह गयी थी, मान लीजिये, किसी उत्पादक को अपने उद्योग के लिए किसी वस्तु की आवश्यकता थी और उसने लॉकडाउन से पहले रेलवे के जरिये उसे बुक किया था, लेकिन लॉकडाउन के कारण ट्रेन की आवाजाही रुक गयीघ्, और जैसे ही लॉकडाउन खुला, तो वह सामान उत्पादक तक पहुंचाया गया, तो यह वृद्धि और लॉकडाउन के बाद जो नयी बुकिंग हुई, दोनों के कारण ही रेलवे की स्थिति में सुधार दिखायी दे रहा है, जो स्वाभाविक है, यदि ऐसा नहीं होता, तो चिंता वाली बात होती, अर्थव्यवस्था का अभी जो आंकड़ा आया है, वह अप्रैल-मई-जून की तिमाही का आंकड़ा है, इसकी गहराई से पड़ताल की जरूरत है, जुलाई-अगस्त-सितंबर, जो दूसरी तिमाही है, उसका आंकड़ा नवंबर में आयेगा. इस तिमाही का परिणाम बहुत महत्वपूर्ण होगा, यानी अर्थव्यवस्था में सुधार के आंकड़े को लेकर अभी हमें थोड़ा इंतजार करना होगा, पहली तिमाही के परिणाम के आधार पर कुछ भी कहना अभी सही नहीं होगा, दूसरी तिमाही और उसके बाद अक्तूबर-नवंबर-दिसंबर तीसरी तिमाही का आंकड़ा बहुत महत्वपूर्ण होगा, यदि तिमाही की बात छोड़ भी दें, तो सितंबर मध्य से नवंबर मध्य तक का समय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर अक्तूबर का महीना, दुर्गापूजा, दीवाली और दूसरे पर्व-त्योहारों का मौसम होने से इस समय खूब खरीदारी होती है, नतीजा बिक्री बढ़ती है जिससे अर्थव्यवस्था को गति मिलती है, इसके बाद दिसंबर मध्य से जनवरी मध्य तक का समय भी बहुत महत्व रखता है, क्योंकि नये वर्ष के उपलक्ष्य में भी लोग घूमने-फिरने जाते हैं, खर्च करते है, हालांकि, यह दीवाली के स्तर से छोटा होता है, इस वर्ष लोगों का घूमना तो पहले के मुकाबले कम होगा, लेकिन खरीदारी तो होगीघ् दिवाली और नये वर्ष के उपलक्ष्य में खरीदारी होने की पूरी संभावना है, जो एक अच्छी बात है, यही वो आंकड़े हैं, जो निर्णायक साबित होंगे, अभी यह कहना कि हम लोग सुधार की राह पड़ चल पड़े हैं, बहुत सुधार हो गया है, जल्दबाजी होगी इसके लिए नवंबर वाला और उसके बाद की तिमाही के परिणाम की प्रतीक्षा करनी होगी हर महीने और तीमाही के आंकड़े को बार-बार देखने की अभी जरूरत है इसके बाद ही अगले वर्ष फरवरी-मार्च में हम ये कह सकते हैं कि अर्थव्यवस्था की दशा क्या है फरवरी-मार्च वाली तिमाही में यदि हम नकारात्मक से निकल पाते हैं, शून्य पर भी आ जाते हैं, तभी जाकर हम कह पायेंगे कि अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार हुआ है जहां तक निर्यात की बात है, तो उससे बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं दिख रही है निर्यात तो तभी होगा और बढ़ेगा, जब दूसरे देश के लोग खरीदारी करेंगे. महामारी का प्रभाव तो दुनियाभर में पड़ा है ऐसे में निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा, वहां किसी तरह के सुधार की संभावना अभी नहीं दिख रही हैघ् यदि निर्यात में थोड़ी-बहुत वृद्धि हो भी जाये, तो वह इतना नहीं होगा कि उससे जीडीपी में वृद्धि दर्ज होघ् क्योंकि अभी जो पहली तिमाही का आंकड़ा आया है, उसके अनुसार, आयात में भी गिरावट आयी है आयात में केवल तेल नहीं आता है, बल्कि बहुत से मशीनरी इक्विपमेंट आते हैघ्, जो आयातित वस्तुओं का बड़ा हिस्सा होते हैं, इसलिए आयात का गिरना अच्छी बात नहीं है खासकर आज की स्थिति में. रोजगार की समस्या अभी भी बरकरार है, क्योंकि बहुत से लोगों की नौकरी चली गयी है अभी जो भी काम-काज हो रहे हैं, जो भी कल-कारखाने चल रहे हैं, वहां भी 50 प्रतिशत कर्मचारियों से ही काम चलाया जा रहा हैघ् पचास प्रतिशत लोगों के पास तो अभी भी काम नहीं है यदि लोगों के पास काम नहीं होगा, तो उन्हें पैसे की तंगी होगी, ऐसे में मांग का सृजन कहां से होगा लोग खरीदारी कहां से करेंगे इसका असर वस्तुओं के उत्पादन पर भी पड़ेगा उत्पादन के कम होने का असर दूसरी तिमाही के आंकड़े में निश्चित तौर पर देखने को मिलेगा. तो यहां सरकार द्वारा रोजगार सृजन को लेकर काम करने की जरूरत है मांग में वृद्धि हो, इसके लिए लोगों के हाथ में नकद देना बहुत जरूरी है जन वितरण प्रणाली के तहत बीपीएल कार्डधारकों को निःशुल्क राशन मुहैया कराया जाये, ताकि उनके खाने-पीने की समस्या दूर हो इससे उनके हाथ में जो पैसा बचेगा, उससे हो सकता है कि वह कुछ न कुछ खरीदारी करे साथ ही, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सरकार जो पैसा दे रही है, वह सही हाथों में पहुंचे दूसरा, सभी उद्योगों के लिए सरकार को इनपुट टैक्स, जीएसटी को कम करने की जरूरत है, ताकि उद्योगों के लाभ में थोड़ी वृद्धि हो अभी तक सरकार ने जो पैकेज दिया है, उसमें उपभोक्ता मांग का हिस्सा बहुत कम है. प्रत्यक्ष लाभ के लिए सरकार को आठ लाख करोड़ का पैकेज देने की जरूरत है मनरेगा के आवंटन को बढ़ाने और प्रति बीपीएल परिवार 1500 से 2000 प्रतिमाह नकद भुगतान करने की जरूरत है, इससे अर्थव्यवस्था बच जायेगी इसके अलावा सरकार घरेलू और एनआरआइ के लिए कोविड बॉण्ड जारी करे, फॉरेन क्रेडिट मार्केट में ब्याज दर कम है, वहां से पैसा लेने की कोशिश करे, डेफिसिट फाइनेंस करे और उस पैसे को मार्केट में डाले, तो इससे अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

सम्पादकीय

संभ्रांत वर्ग का स्मार्ट बनने का दिखावा

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए पहली जोरदार बहस के दौरान हमने देखा कि डोनाल्ड ट्रंप जो बाइडेन को उनकी शिक्षा को लेकर कमतर साबित करने की कोशिश कर रहे हैं. बाइडेन का बचपन निम्न वर्गीय परिवार में पेंसिल्वेनिया और डेलवेयर के सीमांत क्षेत्रों में बीता. उनकी पढ़ाई डेलवेयर विश्वविद्यालय से हुई, जहां पढ़ाई करना अपेक्षाकृत सस्ता है. ट्रंप ने कहा है कि इस वजह से वे स्मार्ट नहीं हैं. उन्हें इस बात का ख्याल नहीं रहा कि बाइडेन ने प्रसिद्ध सिराक्यूस विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की है. यह बाइडेन की अच्छी परवरिश ही है कि उन्होंने ट्रंप के सैट स्कोर मामले का जिक्र नहीं किया. ट्रंप की शुरुआती शिक्षा फोर्डम यूनिवर्सिटी में हुई और आगे की पढ़ाई के लिए वे पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल चले गये. जाहिर है कि ट्रंप सोचते हैं कि इस तरह का झूठा आरोप उन्हें स्मार्ट बनायेगा. येल और ब्राउन जैसे प्रतिष्ठित अमेरिकी स्कूलों में पैसे से दाखिला आसान हो जाता है, यहां छात्रवृत्ति जीतनेवाले प्रतिभावान छात्रों को मदद मिलती है. यहां तक कि बड़ी आर्थिक मदद द्वारा चेक-बुक मेरिट चलन को रोकने की कोशिश करनेवाला हार्वर्ड भी खुशामदी से नहीं बच पाता. उत्कृष्ट विद्यालयों, जैसे- भारत में दून स्कूल या ब्रिटेन में एटन या अमेरिका में एक्सेटर में पढ़नेवाले लोग खुद को अलग और दूसरों को कमतर समझते हैं. राजीव गांधी की दून स्कूल से पढ़ाई हुई थी और उन्होंने इसे प्रदर्शित भी किया. जो लोग उत्कृष्ट विद्यालयों या अच्छे इंग्लिश मीडियम स्कूलों से आते हैं और समृद्ध व अच्छे परिवेश का हिस्सा बनते हैं, वे अलग-अलग प्रकार से अंग्रेजी बोलते हैं और स्थानीय तरीकों की उपेक्षा करते हैं. मणिशंकर अय्यर का बचकाना अभिजात्यपन तब सामने आया, जब उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में नरेंद्र मोदी को चायवाला बताते हुए कहा था कि उन्हें एआइसीसी के कार्यालय में चाय बेचनी चाहिए. साल 2014 के चुनाव में यह बड़ा मसला बन गया था. हार्वर्ड अर्थशास्त्री राज चेट्टी के मुताबिक, आमदनी के मामले में शीर्ष एक प्रतिशत में आनेवालों के बच्चों की आइवी लीग स्कूल में प्रवेश की संभावना में 77 प्रतिशत अधिक रहती है. स्पष्ट है कि दाखिला पाने में प्रतिभा से अधिक परिवारिक पृष्ठभूमि अधिक मायने रखती है. इस प्रकार, विरासती सुविधा संपन्नता विशिष्ट तौर पर फायदा पहुंचाती है. दूसरे शब्दों में कहें, तो संपन्नता एक स्वार्थी वर्ग को तैयार करती है. कोलंबिया विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के प्रोफेसर शमस खान ने अपनी पुस्तक श्प्रीविलेज रू द मेकिंग ऑफ एन एडोल्सेंट एलीट ए सेंट पॉउल्स स्कूलश् में निष्कर्ष निकाला कि विशेषाधिकार और उत्कृष्टतावाद का भाव संस्थानों में निहित होता है. अमीर पृष्ठभूमि होना अलग से फायदेमंद होता है. सौभाग्य से, अमेरिका के उलट भारत के उत्कृष्ट संस्थानों- आइआइएम, आइआइटी, एनएलएस आदि में प्रवेश पाने के लिए वास्तविक मेरिट की खड़ी पिरामिड की चढ़ायी करनी होती है. इन स्कूलों और कॉलेजों को क्या उत्कृष्ट बनाता है? वह है- यहां कम लोगों की पहुंच. एक भ्रम है कि वे केवल उन लोगों को ही प्रवेश देते हैं, जो वास्तव में असाधारण हैं. उनके डीन नवागंतुकों का स्वागत करते हुए कहते हैं कि वे बेहतरीन छात्र हैं. ऐसे संस्थानों में प्रवेश पानेवालों को लगातार बताया जाता है कि आप खास हो. खान लिखते हैं कि स्कूल खुले तौर पर यह स्वीकार करते हैं कि आप आम लोगों की तरह नहीं हो. वे अपने उन पूर्व छात्रों की उपलब्धियों का बखान करते हैं, जो देश में ऊंचे ओहदे पर पहुंचे हैं. विशिष्टता के इस भाव को वास्तविक दुनिया में पूर्व-छात्रों के संघों और सामाजिक क्लबों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है. जब मैं 1983 में हार्वर्ड से लौटा, तो मुझे नयी दिल्ली में हार्वर्ड क्लब के बारे में पता चला, जहां पूर्व-छात्र नियमित तौर पर मिलते थे. एकाध बार मैं भी गया और फिर जाना बंद कर दिया, क्योंकि पता चला कि वहां डिग्री वाले कुछ ही लोग थे, ज्यादातर लोग विश्वविद्यालय या कॉलेज की टाइ पहनने का अधिकार पाने के लिए छोटे और महंगे कोर्स करके आये थे. दिल्ली में ऑक्सब्रिज सोसाइटी भी है, जहां कॉलेज में शेक्सपीयर को पढ़ कर आये इतरानेवाले लोग मिलते थे. खान का लिखना और प्रभावी हो सकता था और ट्रंप के मामले में यह सत्य होता- स्वार्थ के कारण समृद्ध लोग अपने लाभ के लिए असत्य का इस्तेमाल करते हैं. मनोवैज्ञानिक पॉल पिफ और डेचर केल्टनर के शोध के मुताबिक, असाधारणवाद की भावना के कारण एलीट लोगों में कम दयालु होने की प्रवृत्ति पैदा होती है. धनी और अन्य लोगों के बीच दो अलग-अलग नतीजे होते हैं. ड्रग इस्तेमाल को ही लें. गरीबों में इसकी संभावना कम होती है वास्तव में, युवाओं में, विशेषकर धनी बच्चों में शराब पीने या धूम्रपान की संभावना अधिक होती है

कृषि व ग्रामीण विकास की वैकल्पिक राह

आज देश में कृषि पर चर्चा ने जोर पकड़ा है। इस समय बहस तीन नए कानूनों पर केंद्रित है। पर इससे आगे भी सोचने की जरूरत है कि आखिर वह कौन सी राह है जिस पर चलते हुए किसानों, खेती-किसानी व ग्रामीण निर्धनता के संकट का टिकाऊ समाधान किया जा सकता है। इसके लिए पहली जरूरत तो यह है कि पर्यावरण आधारित कृषि की एग्रोइकालाजी सोच को अपनाया जाए। इस सोच के अंतर्गत प्रकृति की प्रक्रियाओं की अच्छी समझ बनाई जाती है व इन प्रक्रियाओं में बाधा डाले बिना ऐसे उपायों से कृषि उत्पादन बढ़ाया जाता है जो पर्यावरण व मित्र जीवों की रक्षा करें, जिनमें पशुपालन व कृषि का बेहतर मिलन हो, जो गांवों के संसाधनों पर आधारित हों (आत्म-निर्भर) व जिनका खर्च न्यूनतम हो। इस तरह किसान का खर्च कम से कम करते हुए, पर्यावरण रक्षा करते हुए उत्पादन वृद्धि को टिकाऊ रूप दिया जाता है। इसके साथ देशीयध्स्थानीयध्परंपरागत बीजों को बचाना व स्थानीय जल व नमी संरक्षण प्रयासों, हरियाली बढ़ाने को अधिक महत्व देना। फसल-चक्र ऐसे हों जिनमें स्थानीय स्वास्थ्य अनुकूल खाद्यों को पहली प्राथमिकता मिले। कृषि में महिलाओं की भूमिका को अधिक मान्यता व सम्मान मिले। जीएम फ सलों से पर्यावरण रक्षा असंभव है अतरू जी एम फसलों पर पूर्ण रोक लगनी चाहिए। दूसरी जरूरत यह है कि कृषि उपज की प्रोसेसिंग गांव या पंचायत स्तर पर ही होनी चाहिए व इसके लिए बड़ी चावल, दाल, तेल की मिलों के स्थान पर छोटी मिल या कोल्हू या कपास प्रोसेसिंग की इकाई आदि कुटीर उद्योग लगाने चाहिए। इसके आधार पर खाद्य व कृषि लघु स्तर की प्रोसेसिंग से जुड़े तमाम रोजगार गांव के स्तर पर उपलब्ध होने चाहिए। इनमें महिलाओं को महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। इन कुटीर व लघु उद्योगों को भली-भांति जमाने के लिए व अन्य उपयोगों के लिए भी सूचना तकनीक जैसे नए रोजगार व अन्य दैनिक जरूरतें पूरी करने वाले गैर-प्रदूषक उद्योग भी गांव व कस्बे स्तर पर पनपने चाहिए। इस तरह गांववासियों को खेती के अतिरिक्त अनेक विविधता भरे रोजगार भी गांव व कस्बे स्तर पर उपलब्ध होंगे। इस तरह स्वदेशी व आत्म-निर्भरता इस रूप में आएंगे जिसमें गांववासियों को टिकाऊ व रोजगार मिलेंगे।

तीसरा कदम यह उठाना चाहिए कि स्थानीय, पर्यावरण-रक्षा के उपायों से प्राप्त स्वास्थ्य के अनुकूल खाद्यों के एक निश्चित भाग को सरकार को एम.एस.पी. या न्यायसंगत मूल्य के आधार पर खरीद लेना चाहिए व उसे उसी गांव या पंचायत की राशन की दुकानों (सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम) व पोषण कार्यक्रमों (मिड डे मील, आंगनबाड़ी, सबला आदि) के लिए उपलब्ध करवा देना चाहिए। इस तरह यातायात पर बहुत सा खर्च बचेगा। चूंकि पोषण कार्यक्रमों के लिए सब्जी, दाल, मसाले, तेल सब कुछ चाहिए अतरू इन सब की स्थानीय खरीद भी एमएसपी पर हो सकेगी। इसके अतिरिक्त भूमिहीन परिवारों के लिए एक बहुत बड़ा अभियान आरंभ करने की बहुत जरूरत है। जहां तक संभव है उन्हें कुछ भूमि कृषि वध्या किचन गार्डन के लिए देनी चाहिए जहां वे एग्रोइकालाजी से खेती कर सकें। सीलिंग लागू कर व अन्य उपायों से उन्हें कृषि भूमि दी जा सकती है। जहां यह संभव न हो वहां बेकार पड़ी ऐसी भूमि जिस पर वृक्ष उगाना संभव है उन्हें देनी चाहिए व इस वनीकरण के लिए उन्हें टिकाऊ रोजगार न्यायसंगत मासिक मजदूरी पर देना चाहिए। जब वृक्ष बड़े हो जाएं तो इनसे प्राप्त लघु वन उपज (पत्ती, फूल, फल, बीज, तेल आदि) पर उनका ही अधिकार होगा व वे इससे आजीविका प्राप्त कर सकेंगे। स्थानीय प्रजाति के वृक्षों व झाड़ियों का फैलाव इस तरह हो जैसे उस क्षेत्र के स्थानीय प्राकृतिक वनों में होता है। इसके साथ-साथ जल, नमी संरक्षण के बहुत से कार्य भी किए जाएं जिनमें स्थानीय परंपरागत ज्ञान से सीखा जाए। इस तरह भूमिहीन परिवारों को किसी न किसी तरह का कृषि या वृक्ष भूमि आधार मिले तथा सभी के आवास भूमि अधिकार सुरक्षित हों। गांवों के सभी मूल परिवारों को भूमि आधार प्राप्त होना चाहिए। अंतिम जरूरत यह है कि सभी गांवोंध्पंचायतों में महिलाओं व युवाओं के नेतृत्व में स्थायी समाज-सुधार समितियों का गठन होना चाहिए। इनका कार्य यह है कि निरंतरता से शराब व हर तरह के नशे को दूर करने का कार्य निरंतरता से चलता रहे। इसके साथ छुआछूत, हर तरह के भेदभाव, दहेज-प्रथा, महिलाओं से हिंसा व अभद्रता, भ्रष्टाचार, तरह-तरह के अनावश्यक झगड़ों, गंदगी के विरुद्ध भी इस समिति को निरंतरता से सक्रिय रहना चाहिए। सभी सरकारों योजनाओं का लाभ लोगों तक बिना भ्रष्टाचार के पहुंचे इसके लिए भी समिति को सक्रिय रहना चाहिए।

दावे लोकहित के, प्राथमिकताएं निराली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी तथा भारतीय जनता पार्टी के नेतागण प्रायः ऐसी भाषाएं बोलते सुनाई देते हैं गोया आजादी के बाद देश में पहली बार अब कोई ऐसी सरकार आई है जिसे लोक हित की सबसे अधिक चिंता हो। चुनावी भाषणों से लेकर,मन की बात तक में तरह तरह के लोकलुभावन श्बोल वचनश् सुनने को मिलते हैं। पूरी सत्ता का जोर देश को यही समझने में लगा रहता है कि देश अब बिजली की गति से आगे बढ़ रहा है। देश का मस्तक जो शायद गत 70 वर्षों से नीचे झुका हुआ था उसे वर्तमान सरकार ने ही ऊँचा उठाया है। सवाल यह है कि देश आखिर कहते किसे हैं ? देशवासी ही तो देश की इकाई होते हैं? यदि देशवासी खुश हाल हैं तो देश स्वयं ही खुश हाल हो जाएगा। इसी लिए तो पार्टियां चुनाव पूर्व यही वादे करती हैं कि सत्ता में आने के बाद मंहगाई कम करेंगे,लोगों को नौकरियाँ व रोजगार देंगे,देश का विकास करेंगे। 2014 के पहले इन सत्ताधारियों ने भी वादा किया था की दो करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाएगा। विदेशों से काला धन लाएंगे। और सभी के खातों में 15-15 लाख रूपये डाले जाएंगे। इस तरह के वादे तो कम से कम यही साबित करते हैं कि वादा करने वाली पार्टी लोकहित के प्रति चिंतित व गंभीर है। किसानों,मजदूरों,बुजुर्गों व महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं बताई जाती हैं। परन्तु हमारे देश की वर्तमान सरकार के लोकहित संबंधी दावों में कितनी हकीकत है और उसकी कारगुजारियां क्या हैं,तथा किस श्दर्शनश् व प्राथमिकताओं पर वह काम कर रही है यह देखना व समझना भी प्रत्येक देशवासी के लिए बहुत जरूरी है। निश्चित रूप से केवल हमारा देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व इस समय कोरोना महामारी की चपेट में है। दुनिया के तमाम देशों में अर्थव्यवस्था का संकट खड़ा हो गया है। अनेक देश अपने फुजूल या गैर जरूरी खर्च को नियंत्रित करने में लगे हैं। जाहिर है भारत सरकार ने भी खर्च कम करने और आय बढ़ाने संबंधी अनेक उपायों पर काम किया है। लोकहित के लिए समर्पण का दावा करने वाली इस सरकार ने कोरोना की आड़ लेकर वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे में दी जाने वाली 50 प्रतिशत की छूट समाप्त कर दी है जो पिछली यू पी ए सरकार द्वारा काफी समय से दी जाती रही है। महिलाओं को 58 वर्ष की आयु में और पुरुषों को 60 वर्ष की आयु में यह रियायत दी जाती थी। इसी तरह देश के कई रेलवे स्टेशन जो निजी हाथों में सौंपे जा चुके हैं वहां प्लेटफॉर्म टिकट की कीमत 50 रूपये कर दी गयी है। अब खबर है कि नवरात्रि के बीच 20 अक्टूबर से दीपावली व छठ के बाद 30 नवंबर तक भारतीय रेल विशेष सौ से अधिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन्स चलने जा रहा है। परन्तु सूत्रों के मुताबिक रेलवे इन स्पेशल ट्रेनों में यात्रा करने वालों से सामान्य से ज्यादा किराया वसूल करेगा। पिछली सरकारें भी त्यौहारी विशेष ट्रेन्स चलाती थीं परन्तु यात्रियों से कभी भी अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाता था। रेलवे के निजीकरण की खबरों के बीच समाचार यह भी है भरी भरकम रेल किराए के अलावा चुनिंदा स्टेशन के प्रयोग करने पर अतिरिक्त यूजर चार्ज भी यात्री को देना होगा। डीजल,पेट्रोल तथा गैस की कीमत में गत 6 वर्षों में कितनी बढ़ोतरी हुई है यह पूरा देश देख ही रहा है। लॉक डाउन के दौरान देश के करोड़ों लोग किस तरह बेरोजगार हुए,किस तरह देश के चारों ओर से कामगार लोग बेरोजगारी के आलम में खाली जेब भूखे प्यासे अपनी गृहस्थी का बोझ उठाए हुए हजारों किलोमीटर का पैदल सफर कर अपने शहरों व गांव को पहुंचे यह भी पूरी दुनिया ने देखा। देश के लाखों दयालु देशवासियों द्वारा यदि रास्तों में उनके जलपान व सहायता का प्रबंध न किया गया होता और देश के ये लावारिस सपूत इस तथाकथित लोकहितकारी सरकार के भरोसे होते तो शायद लाखों पैदल यात्री अपनी जान से हाथ धो बैठते। अब जरा सत्ताधीशों की उन प्राथमिकताओं पर भी गौर कीजिये जो चुनावी वादों में नहीं होतीं परन्तु उनपर अमल करना ये सबसे जरूरी समझते हैं। मिसाल के तौर पर देश के प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति की तर्ज पर अपना एयर इंडिया वन विमान खरीद लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के विमान एयरफोर्स वन जैसी विशेषताएँ व सुविधाएं रखने वाला बोइंग 777 विमान भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की सेवा में रहेगा. दो अदद अति विशिष्ट विमान खरीदने के लिए भारत ने लगभग 8400 करोड़ रूपये खर्च किये हैं।इसमें मिसाइल एप्रोच वार्निंग सिस्टम,इलेक्ट्रॉनिक वॉर फेयर जैमर,डायरेक्शनल इंफ्रा रेड काउंटर मेजर सिस्टम,चाफ एंड फ्लेयर्स सिस्टम,मिरर बॉल सिस्टम,सुरक्षित सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम तथा हवा में ईंधन भरने जैसी आधुनिक सुविधाएँ मौजूद हैं। जिस नेहरू गांधी परिवार को श्नामदारश् राजकुमार और शहजादा जैसी उपाधियाँ देकर वर्तमान सत्ताधारी व्यंग्य कसते थे उन्होंने इस विमान को खरीदने की जरुरत कभी नहीं महसूस की परन्तु स्वयं को फकीर और देश का चौकीदार बताने वाले संत रुपी प्रधान सेवक को इतनी महंगी कीमत व अत्यधिक खर्चीले रखरखाव वाले विमान की जरुरत आखिर क्यों महसूस हुई इसकी वजह देश जरूर जानना चाहेगा। इसी तरह सरकार एक नया संसद भवन निर्माण करने की तैयारी में है।

खबर है कि टाटा ग्रुप के टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने लगभग 862 करोड़ रूपये की लागत में नए भवन के निर्माण का अनुबंध प्राप्त कर लिया है। 1927 में अंग्रेजों द्वारा निर्मित वर्तमान संसद भवन आज भी अपनी भव्यता व मजबूती के लिए विश्व विख्यात है। देश की किसी भी पूर्व सरकार ने नए संसद भवन के निर्माण जैसे महंगे व अनावश्यक खर्च की जरुरत महसूस नहीं की। न ही इस विषय पर कोई प्रस्ताव या विचार आया। परन्तु मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में नया संसद भवन क्यों और कैसे आया ? स्मार्ट सिटी,गंगा सफाई और स्वच्छता अभियान पर अब तक बेहिसाब पैसे खर्च करने के बावजूद आज देश में यह तीनों ही योजनाएं या इनके परिणाम ढूंढने से भी नहीं मिलते। जहाँ तक इनके दर्शन का सवाल है तो शिक्षित युवाओं के लिए पकौड़ा रोजगार योजना,नाले में पाइप डालकर गैस निकालकर चाय पकौड़ा बनाने हेतु मुफ्त ईंधन हासिल करना,ट्रैक्टर के ट्यूब में नाले वाली गैस भरकर पंपिंग सेट चलाकर खेतों की सिंचाई करना या पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संघ प्रचारक रहे उप कुलपति राजा राम यादव की खंजरी बजाओ-भीख मांगो-आत्म निर्भर बनो जैसी योजना इनके दिव्य-दर्शन की प्रमुख झलकियाँ हैं। आश्चर्य है कि तमाम फुजूल खर्ची करने वाली वर्तमान सरकार, पिछली सरकार द्वारा देश के वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में दी जा रही रियायत समाप्त कर देती है और जरुरत पड़ने पर इसी सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लिए एक ऐसा बेशकीमती सूट सिलवाते हैं जो विपक्ष के भारी हंगामे के बाद साढ़े चार करोड़ रुपए की कीमत में नीलाम होकर अपनी विश्व में सबसे ऊँची कीमत के लिए गिन्नीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। इन तथ्यों के आधार पर आसानी से इस नतीजे पर पहुंचा जा सकता है कि वर्तमान सरकार के लोकहित के दावे कितने खोखले हैं तथा वास्तव में इनकी प्राथमिकताएं व दर्शन कितने अजीबो गरीब व निराले हैं।

सार समाचार .....

अर्जेंटीना की नादिया ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

पेरिस एजेंसी।

अर्जेंटीना की नादिया पोदोरोस्का मंगलवार को यहां तीसरी वरीयता प्राप्त इलेना स्वितोलिना को हराकर ओपन युग में फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बन गई। रोलां गैरां में पहुंचने से पहले कभी मुख्य ड्रॉ का मैच नहीं जीत पाने वाली पोदोरोस्का ने कोर्ट फिलिप चैटरियर पर खेले गए मैच में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। इस तरह से उन्होंने स्वितोलिना को पिछले चार ग्रैंडस्लैम में तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचने से रोक दिया।

पोदोरोस्का ने मैच के बाद कहा, %%मैच के बाद बात करना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है। मेरी अंग्रेजी बहुत अच्छी नहीं है। समर्थन के लिए सभी का आभार। मैं बहुत खुश हूं।÷ उक्रेन की स्वितोलिना दूसरे सेट में 4-5 से पीछे थी तब उन्होंने दो मैच प्वॉइंट बचाए, लेकिन पोदोरोस्का ने तीसरे मैच प्वॉइंट पर फोरहैंड विनर जमाया और अपना रैकेट हवा में उछालकर खुशी में झूम उठी।

सेमीफाइनल और भी यादगार बनने वाला है क्योंकि वहां उनका मुकाबला एक अन्य क्वालीफायर इटली की मार्टिना ट्रेविसान से हो सकता है। मार्टिना ने भी इससे पहले कभी टूर्नामेंट में मुख्य ड्रॉ का मैच नहीं जीता था। उन्हें हालांकि इससे पहले 19 वर्षीय इगा स्वियातेक की चुनौती समाप्त करनी होगी।

इससे पहले मंगलवार को अमेरिका की डेनियली कोलिन्स ने ट्यूनीशिया की 30वीं वरीयता प्राप्त ओंस जाबेर को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त हमवतन सोफिया केनिन से होगा।

फिटनेस का हाई लेवल हासिल करना चाहते हैं हॉकी कप्तान मनप्रीत और कोच रीड

बेंगलुरु एजेंसी। कोविड-19 महामारी के कारण लगे प्रतिबंधों से अभ्यास पर पड़े प्रभाव के बीच भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह तथा कोच ग्राहम रीड ने कहा कि लॉकडाउन से पहले के फिटनेस स्तर को हासिल करने के लिए खिलाड़ियों को धीरे-धीरे प्रगति करनी होगी। मनप्रीत सहित टीम के छह खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर के लिए यहां पहुंचने के बाद कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए थे। ये सभी खिलाड़ी हालांकि इस बीमारी से उबर गए हैं और उन्होंने अपना व्यक्तिगत अभ्यास सत्र शुरू कर दिया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से जारी विज्ञप्ति में मनप्रीत ने कहा, हमने धीरे-धीरे खेल में वापसी की प्रक्रिया शुरू की है। कोचों ने एक योजना बनाई है ताकि हम चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह लय हासिल कर सकें। मैं फिर से अभ्यास के लिए वापस आकर वास्तव में खुश हूं। रीड ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण खासकर बुनियादी व्यक्तिगत जरूरी चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है। इससे खिलाड़ियों को छोटे समूहों में अभ्यास करने की सहूलियत होती है, जिसमें पर्याप्त सामाजिक दूरी होती है। कोच ने कहा, हम अगले शिविर के आखिर तक दल के अधिकांश खिलाड़ियों के अभ्यास के दौरान कार्यभार और तीव्रता को चरणबद्ध तरीके से उस स्तर तक बढ़ा सकते हैं जो कोविड-19 के कारण आई रुकावट से पहले था। उन्होंने कहा, यह एक धीमी और जानबूझकर की गई प्रक्रिया है। जिसे इस तरह से तैयार किया गया है कि चोट के जोखिम कम हो और अधिकतम लाभ मिल सके। भारतीय खेल प्राधिकरण साइ के बेंगलुरु केन्द्र में खिलाड़ी सुरक्षा प्रोटोकॉल से खुश हैं। महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा, यह अच्छा लगता है कि हमने इतने लंबे समय के बाद अभ्यास शुरू किया है। हम धीरे-धीरे अपने शरीर को उसी स्तर पर वापस ला रहे हैं जो हमें पहले की तरह ट्रेनिंग करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अगले कुछ महीने में हम पहले की तरह लय हासिल कर लेंगे। फिलहाल, यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने आप को सुरक्षित रखें और उसके तहत अभ्यास करें।

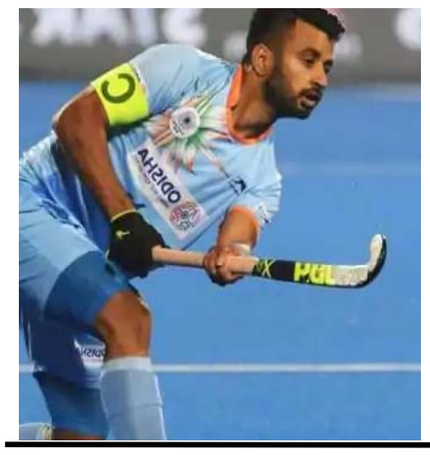

मुंबई की राजस्थान के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी जीत

दुबई | एजेंसी।

अबु धाबी में खेले गए मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 194 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में राजस्थान 18.1 ओवर में 136 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मुंबई के सूर्यकुमार यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 79 रन की पारी खेली। यह आईपीएल में उनका बेस्ट स्कोर है। सूर्यकुमार ने आईपीएल में अपनी 8वीं फिफ्टी लगाई।

बुमराह ने आईपीएल में पहली बार 4 विकेट लिए

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में पहली बार 4 विकेट लिए। इससे पहले उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 2017 में देखने को मिला था। तब उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 7 रन देकर 3 विकेट लिए थे। बुमराह ने आईपीएल में अब तक 83 मैच में 93 विकेट लिए हैं। उन्होंने डेथ ओवर (16 से 20) में सबसे ज्यादा 9 विकेट लेने के मामले में कगिसो रबाडा की बराबरी भी कर ली है।

रॉयल्स की खराब शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 12 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए थे। ट्रेंट बोल्ट ने यशस्वी जायसवाल को विकेटकीपर डिकॉक और संजू सैमसन को रोहित के हाथों कैच आउट कराया। दोनों बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। वहीं, जसप्रीत बुमराह ने स्टीव स्मिथ (6) को भी डिकॉक के हाथों कैच आउट कराया।

7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके राजस्थान के लिए जोस बटलर ने सबसे ज्यादा 70 रन की पारी खेली। हालांकि वे टीम को जीत नहीं दिला सके। कप्तान स्टीव स्मिथ और संजू सैमसन समेत टीम के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। मुंबई के लिए बुमराह ने 20 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ट और जेम्स पैटिंसन को भी 2-2 विकेट मिले। हार्दिक और सूर्यकुमार के बीच 75 रन की नाबाद पार्टनरशिप हुई सूर्यकुमार ने हार्दिक पंड्या के साथ 5वें विकेट के लिए 38 बॉल पर 75 रन की नाबाद पार्टनरशिप की। उनके अलावा रोहित शर्मा ने 35, हार्दिक पंड्या ने 30 और क्विंटन डिकॉक ने 23 रन की पारी खेली। इनके दम पर मुंबई ने 4 विकेट पर 193 रन बनाए। राजस्थान के लिए स्पिनर श्रेयस गोपाल ने 2 विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी को 1-1 विकेट मिला।

हैट्रिक से चूके श्रेयस गोपाल स्पिनर श्रेयस गोपाल ने मुंबई के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। गोपाल ने अपने तीसरे ओवर की पहली और दूसरी बॉल पर लगातार दो विकेट लिए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) को राहुल तेवतिया और ईशान किशन को शून्य पर संजू सैमसन के हाथों कैच आउट कराया। हैट्रिक बॉल को सूर्यकुमार यादव ने डिफेंड किया। कार्तिक त्यागी का डेब्यू राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने तीन बदलाव किए थे। कार्तिक त्यागी, यशस्वी जायसवाल और अंकित राजपूत को मौका मिला। रॉबिन उथप्पा, रियान पराग, जयदेव उनादकट टीम से बाहर हुए। कार्तिक का यह डेब्यू मैच रहा। मुंबई के कप्तान रोहित ने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया।

दोनों टीम में विदेशी खिलाड़ी

मुंबई इंडियंस में क्विंटन डिकॉक, कीरोन पोलार्ड, जेम्स पैटिंसन और ट्रेंट बोल्ट विदेशी खिलाड़ी रहे। वहीं, राजस्थान की प्लेइंग इलेवन में कप्तान स्टीव स्मिथ समेत जोस बटलर, टॉम करन और जोफ्रा आर्चर हैं।

दोनों टीम के महंगे-सस्ते खिलाड़ी

मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन का 15 करोड़ रुपए देगी। रोहित ने मैच में 23 बॉल पर 35 रन की पारी खेली। वहीं, प्लेइंग इलेवन में राहुल चाहर 1.90 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे सस्ते प्लेयर रहे। उन्होंने 3 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिया।

राजस्थान की प्लेइंग इलेवन में कप्तान स्मिथ 12.50 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर रहे। वे 7 बॉल पर सिर्फ 6 ही रन बना सके। टीम में महिपाल लोमरोर और श्रेयस गोपाल 20-20 लाख रुपए कीमत के साथ सबसे प्लेयर रहे। मैच में महिपाल ने 11 और गोपाल ने 1 रन बनाया। हालांकि, बॉलिंग में गोपाल ने 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता

आईपीएल इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है।

पिछली बार उसने फाइनल में चेन्नई को 1 रन से हराया था। मुंबई ने अब तक 5 बार फाइनल खेला है। वहीं, राजस्थान ने आईपीएल का पहला सीजन अपने नाम किया था।

विकेट/रन	किसके खिलाफ	कब	कहां
4/20	राजस्थान रॉयल्स	2020	अबु धाबी
3/7	कोलकाता नाइटराइडर्स	2017	बेंगलुरु
3/13	दिल्ली कैपिटल्स	2016	विशाखापट्टनम

आईपीएल के 13वें सीजन के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 57 रन से हरा दिया। रॉयल्स के खिलाफ मुंबई की रन के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 11 अप्रैल 2010 को जयपुर में 37 रन से हराया था। इस जीत के साथ मुंबई 8 पॉइंट के साथ टॉप पर पहुंच गई।

पंत धोनी का परफेक्ट रिप्लेसमेंट, टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का दावा

नईदिल्ली , एजेंसी। ऋषभ पंत को महेंद्र सिंह धोनी का स्वाभाविक उत्तराधिकारी माना जा रहा था। कहा जा रहा था कि यह युवा खिलाड़ी विकेटकीपर के रूप में धोनी की जगह ले सकता है। पंत को मौके भी दिए गए। उन्होंने कुछ मौकों पर चयनकर्ताओं के फैसले को सही भी साबित किया। पर फिर ऐसा वक्त आया कि उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई। पंत के पास शॉट्स हैं यह सबने माना, लेकिन उनके शॉट सिलेक्शन को लेकर अकसर सवाल हुए। ऋद्धिमान साहा के फिट होकर लौटने के बाद टेस्ट क्रिकेट में पंत की जगह गई और उसके बाद सीमित ओवरों के प्रारूप में लोकेश राहुल द्वारा विकेटकीपिंग करने के बाद वहां भी पंत की जगह खतरे में है। इसके बाद आईपीएल में संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे युवा विकेटकीपर भी बल्ले से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

ऐसे में पंत पर दबाव बढ़ रहा है। हालांकि टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि पंत ही धोनी के परफेक्ट उत्तराधिकारी हैं। बांगड़ का मानना है कि ऋषभ पंत ही असल में महेंद्र सिंह धोनी के परफेक्ट उत्तराधिकारी हैं। उन्होंने कहा, जहां तक विकेटकीपिंग की बात है, तो मुझे लगता है कि ऋषभ पंत धोनी की जगह लेने के सबसे मजबूत दावेदार हैं। मुझे लगता है कि जिस तरह उन्होंने इस साल के आईपीएल की शुरुआत की वह यह दिखाता है कि टीम इंडिया के लिए भी मिडल-ऑर्डर में एक बाएं हाथ का बल्लेबाज होना महत्त्वपूर्ण है। इससे टीम में सही संतुलन आता है।

बबीता फौगाट का खेल विभाग उपनिदेशक पद से इस्तीफा

चरखी दादरी, एजेंसी। खेल विभाग की उपनिदेशक बबीता फौगाट ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बबीता फौगाट ने खेल विभाग के प्रधान सचिव को अपना इस्तीफा भेजा। जानकारी के अनुसार बबीता ने अपने इस्तीफे में सरकारी नौकरी करने में असमर्थ होने का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि एक महीने का नोटिस मानते हुए मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाये। इसी बीच जानकारी मिली है कि बबीता आज सीएम मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर सकती हैं।

यूएस ओपन चैंपियन ऑस्ट्रिया के थिएम और तीसरी सीड यूक्रेन की एलिना बाहर

पेरिस , एजेंसी।

यूएस ओपन चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम तथा महिलाओं में तीसरी सीड यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना मंगलवार को क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लेम फेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में दो बड़े उलटफेरों का शिकार होकर बाहर हो गए। थिएम को 12वीं सीड अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन ने पांच घंटे आठ मिनट तक चले मैराथन संघर्ष में 7-6 (1), 5-7, 6-7 (6), 7-6 (5), 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

थिएम 2018 और 2019 में यहां उपविजेता रहे थे, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने इस बार यूएस ओपन चैंपियन थिएम को क्वार्टरफाइनल में मात दे दी और इस साल अपना रिकॉर्ड 20-9 पहुंच दिया। श्वार्ट्जमैन हाल ही में इटालियन ओपन में उपविजेता रहे थे। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला 12 बार के विजेता स्पेन के राफेल नडाल और इटली के जानिक सिनर के बीच मैच के विजेता से होगा। इस बीच विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी अर्जेंटीना की नादिया पोदोरोस्का ने तीसरी सीड स्वितोलिना को 6-2, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। पोदोरास्का टूर्नामेंट के इतिहास में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बन गयी हैं। पोदोरास्का पिछले 21 वर्षों में किसी ग्रैंड स्लेम के सेमीफाइनल में पहंचने वाली पहली क्वालीफायर भी बनी हैं। 23 वर्षीय पोदोरास्का ने इस टूर्नामेंट से पहले किसी ग्रैंड स्लेम के मुख्य ड्रा में कोई मैच नहीं जीता था लेकिन यहां वह सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। पोदोरास्का ने तीसरी सीड खिलाड़ी को अपने बेहतरीन प्रदर्शन से मात्र एक घंटे 19 मिनट में बाहर का रास्ता दिखा दिया। इससे पहले चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की सोफिया केनिन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए फ्रांस की फियोना फेरो को तीन सेटों में 2-6, 6-2, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने वाली केनिन का क्वार्टरफाइनल में हमवतन डेनिएल कोलिंस से मुकाबला होगा जिन्होंने चौथे दौर के एक अन्य मुकाबले में ट्यूनीशिया की ओंस जेबोर को तीन सेटों में 6-4, 4-6, 6-4 से हराया।

डेनमार्क ओपन से हटे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइयना नेहवाल और उनके पति पारुपल्ली कश्यप ने डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट से मंगलवार को हटने का फैसला किया। यह टूर्नामेंट 13 अक्तूबर से ओडेंसे में खेला जाएगा, जो कोविड-19 महामारी के कारण आई रुकावट के बाद अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को फिर से शुरू करेगा।

आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने हासिल की लगातार 21वीं जीत, पोंटिंग युग के रिकार्ड की बराबरी

ब्रिस्बेन | एजेंसी।

आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को न्यूजीलैंड को 232 रन से हराकर एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 21वीं जीत दर्ज करके रिकी पोंटिंग की अगुवाई वाली आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के 2003 के रिकार्ड की बराबरी की। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने 29 अक्तूबर, 2017 को इंगलैंड से हारने के बाद कोई वनडे नहीं गंवाया है। उसने भारत के खिलाफ जीत से अपने विजय अभियान की शुरुआत की और इस बीच पाकिस्तान, इंगलैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखलाएं जीती। आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 5 विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित कर दी थी। मेग लैनिंग के चोटिल होने के कारण कप्तानी का दायित्व संभाल रही सलामी बल्लेबाज राचेल हेन्स ने 104 गेंदों पर दस चौकों और दो छक्कों की मदद से 96 रन बनाये और एलिसा हीली (87 गेंदों पर 87 रन, 13 चौके, एक छक्का) के साथ पहले विकेट के लिये 144 रन की साझेदारी की। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 93 रन पर ढेर हो गयी। उसकी तरफ से केवल एमी सैटरवेट (41) और मैडी ग्रीन (22) ही दोहरे अंकों में पहुंची। कप्तान सोफी डेवाइन पहले ओवर की पहली गेंद पर आउट हो गयी थी। आस्ट्रेलिया ने इस तरह से श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। लैनिंग ने ट्राफी हासिल करने के बाद कहा, ''बड़ी जीत से अंत करना शानदार है। लगातार 21 मैचों में जीत दर्ज करना शानदार है और हमें इस पर वास्तव में गर्व है।

इरफान पठान बोले- अगर सूर्य कुमार यादव को टीम इंडिया में जगह नहीं मिलती तो मुझे दुख होगा

दुबई , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2020 (आईपीएल सीजन 13) में बुधवार रात मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच खेला गया। इस मैच को मुंबई इंडियंस ने 57 रन से जीता। मुंबई की जीत में सबसे अहम रोल मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव का रहा। यादव ने 47 गेंद पर 79 रन की पारी खेली। इसमें 11 चौके और 2 छक्के शामिल थे। यादव की इनिंग के बाद टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा- अगर अब भी यादव को टीम इंडिया में जगह नहीं मिलती तो मुझे दुख होगा। वो गजब के प्लेयर हैं।

आईपीएल में यादव का बेस्ट स्कोर यादव ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा 79 रन की पारी खेली। यह आईपीएल में उनका बेस्ट स्कोर है। उन्होंने आईपीएल में अपनी 8वीं फिफ्टी लगाई। यादव ने हार्दिक पंड्या के साथ 5वें विकेट के लिए 38 बॉल पर 75 रन की नाबाद पार्टनरशिप की। उनकी पारी के बाद हरभजन सिंह ने मजाकिया ट्वीट किया। कहा- सूर्य कुमार मीठी छुरी हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा- भारत की टी-20 टीम में होंगे सूर्य कुमार। सचिन तेंडुलकर ने कहा- सूर्य कुमार स्पेशल हैं। वे विकेट के चारों ओर स्ट्रोक्स खेल सकते हैं।

बेन स्टोक्स बोले- कार्तिक त्यागी का रनअप ब्रेट ली और बॉलिंग इशांत शर्मा जैसी

दुबई , एजेंसी। आईपीएल सीजन 13 में भारत के एक और तेज गेंदबाज ने सबको प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश के रहने वाले और राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल खेल रहे कार्तिक त्यागी में मंगलवार रात मुंबई के खिलाफ पहला मैच खेला। उनकी गेंदबाजी ने वर्ल्ड नंबर 1 ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को बहुत प्रभावित किया। स्टोक्स ने कहा- त्यागी का रनअप ब्रेट ली और बॉलिंग इशांत शर्मा जैसी है। कुछ महीने पहले टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने त्यागी को एकदम पका हुआ तेज गेंदबाज बताया था।

डिकॉक को समझ नहीं आई त्यागी की गेंद मुंबई के खिलाफ पहले मैच में त्यागी ने 4 ओवर में 36 रन देकर क्विंटन डिकॉक का विकेट लिया। डिकॉक और रोहित शर्मा ओपनिंग के लिए आए थे। त्यागी की तेज रफ्तार आउट स्विंगर डिकॉक के बल्ले का बाहरी किनारा लेती हुई विकेटकीपर जोस बटलर के ग्लव्स में समा गई थी। आउट होने के बाद डिकॉक भी हैरान नजर आए। हालांकि, इसके बाद त्यागी को कोई विकेट नहीं मिल सका।

फंक्शन में अपना गाना सुन माधुरी दीक्षित नहीं कर पाईं कंट्रोल

रेणुका शहाणे के जन्मदिन (7 अक्टूबर) पर बॉलिवुड ऐक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने पुरानी याद के साथ मजेदार पोस्ट किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें दोनों ऐक्ट्रेस एक फंक्शन ने फिल्म हम आपके हैं कौन के गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। माधुरी ने पोस्ट में लिखा है, हमारे पास साथ में बहुत सारी यादें हैं जो हमेशा जिंदा रहेंगी। हम आपके हैं कौन से लेकर बकेट लिस्ट तक आपके साथ वक्त बिताना हमेशा मजेदार एक्सपीरिएंस रहा है। आपको जन्मदिन की बहुत शुभकामनाएं और साल बेहतरीन हो। इस वीडियो में दोनों किसी फंक्शन में साथ बैठी नजर आ रही हैं। तभी गाना लो चली मैं बजता है। माधुरी और रेणुका उठकर वहीं डांस करने लगती हैं। फिल्म में दोनों बहनें बनी थीं। माधुरी की यह फिल्म जबरदस्त हिट हुई थी। इसके गाने आज भी काफी पॉप्युलर हैं और मैरिज फंक्शंस में इनकी धूम रहती है।

दिलीप कुमार के घर को सुरक्षित करेगी पाकिस्तानी सरकार

दिलीप कुमार का पाकिस्तानी घर इस वक्त चर्चा में है। कुछ दिनों पहले ख़बर आई थी कि यह इमारत जर्जर हो चुकी है। लेकिन अब पाकिस्तान सरकार ने इसे सुरक्षित करने का फैसल किया है। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में प्रांतीय सरकार ने पेशावर में स्थित एक्टर के घर को खरीदने का फैसला किया है। साथ ही साथ इस घर को जर्जर स्थिती को बदलकर एक संग्राहलय की बदलने का निर्णय लिया है। न्यूज़ एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के स्पेशल एसिस्टेंट कामरान बंगश ने जिला प्रशासन को बंगले पर पर आज से सेक्शन लगाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही चार महले की इस इमरात पर खरीद फरोख़्त करने पर बैन लग जाएगा। कामरान ने जारी किए गए वीडियो में बताया है कि पहले चरण में घर खरीदने के लिए फंड की व्यवस्था की जाएगी। दूसरे चरण में घर की मरम्मत की जाएगी और उसे पुराने शेप में वापस लाया जाएगा। कामरान ने बताया कि पेशावर रिवाइल प्लान के तहत दिलीप कुमार के घर को म्यूज़यिम में बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सामान्य नागरिकों के लिए खुला रहेगा, ताकि वे पेशावर शहर के इतिहास के बारे में जान सकें। दिलीप कुमार का इंडियन फ़िल्म इंडस्ट्री में योगदान को भी दिखाया जा सके। बता दें, दिलीप कुमार के घर को पहले भी पाकिस्तान सरकार ने महत्व दिया है। सौ साल से पुराने इस घर को इससे पहले साल 2014 में नवाज शरीफ सरकार ने राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर चुके हैं। इस मकान के मालिक भी इसे कही बार कॉमर्शियल प्लाज़ा बनाने की कोशिश कर चुके हैं। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले जब पहली बार यह ख़बर सामने आई कि पाकिस्तान सरकार घर को संरक्षित करना चाहती है। तब दिलीप कुमार ने ट्वीट करके फैंस को फोटो खींच कर भेजने की अपील की थी।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वरा भास्कर को जारी किया नोटिस

हाथरस केस की हर कोई निंदा कर रहा है और जल्द से जल्द पीड़िता को न्याय दिलवाने की मांग कर रहा है। इस केस को लेकर फिल्मी जगत की कई हस्तियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी थी और दुख व्यक्त किया था, जिसमें स्वरा भास्कर का नाम भी शामिल है। हालांकि, स्वरा भास्कर ने इस केस के संदर्भ में ऐसा पोस्ट कर दिया, जिसके बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है। महिला आयोग ने स्वरा भास्कर के साथ ही कुछ राजनेताओं को भी नोटिस भेजा है और उस पर स्पष्टीकरण मांगा है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने किसी की शिकायत पर नहीं बल्कि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट कर स्वत-संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किए हैं। आरोप है कि स्वरा भास्कर समेत कई लोगों ने हाथरस केस पर सोशल मीडिया पोस्ट करते वक्त दुष्कर्म पीड़िता की पहचान उजागर की है और उनकी फोटो का इस्तेमाल किया है। इस पर महिला आयोग ने नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है और उन पोस्ट को डिलीट करने के लिए कहा है। साथ ही नसीहत दी है कि वो भविष्य में कभी ऐसा ना करें। हालांकि, अभी तक स्वरा भास्कर की ओर से कोई जानकारी सामने नहीं आई है और ना ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिय पर इस नोटिस को लेकर कोई पोस्ट नहीं किया है। बता दें कि इस केस को लेकर एक्ट्रेस ने कई पोस्ट किए थे और कई पोस्ट को रीट्वीट किए थे। साथ ही एक हाल ही में एक मंत्री की ओर से दुष्कर्म को लेकर बेतुका बयान देने के बाद भी एक्ट्रेस ने मंत्री को करारा जवाब दिया था। गौरतलब है कि 14 सितंबर को हाथरस में दुष्कर्म का मामला सामने आया था। पीड़िता की हालत नाजुक होने के बाद उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। हालांकि, इलाज के दौरान पीड़िता ने दम तोड़ दिया था। इसके बाद पुलिस की ओर से रात में अंतिम संस्कार कर देने और गांव में राजनेताओं और मीडिया की एंट्री बैन करने के बाद भी यह केस काफी सुर्खियों में रहा था।

अनुष्का शर्मा समेत ये हैं 9 सबसे खतरनाक सेलेब्स

बॉलीवुड सेलेब्स के फैंस अपने फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं। ऐसे में फैंस इंटरनेट का सहारा लेते हैं और उनकी फोटो या उनसे जुड़ी कोई जानकारी पता करने के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं आपको अपने फेवरेट सेलेब्स के बारे में सर्च करना मुश्किल में भी डाल सकता है। जी हां, भारत के कई सेलेब्स का नाम में शामिल किया गया है, यानी इन्हें लेकर किया गया सर्च आपके लिए दिक्कत का कारण बना सकता है। दरअसल, भारत के कई सेलेब्स ऐसे हैं, जिनके नाम से जुड़े कई वायरस और हैं, जिसकी वजह से उन्हें खतरनाक सेलेब्स माना गया है। इस लिस्ट में सबसे ऊपर नाम फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का है। इसके बाद दूसरे स्थान पर बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर एक्ट्रेस तापसी पन्नू, चौथे स्थान पर अनुष्का शर्मा और पांचवें स्थान सोनाक्षी सिन्हा का नाम है। यह लिस्ट अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी कंपनी की ओर से जारी की गई है।

मां बनीं सपना चौधरी, बेटे के जन्म पर लोगों ने किए बेहूदा कॉमेंट्स तो पति ने दिया करारा जवाब

हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी मां बन गई हैं। उन्होंने प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। सपना के पति और हरियाणवी सिंगर, राइटर और मॉडल वीर साहू ने खुद फेसबुक पर लाइव आकर इस बात की जानकारी दी। हालांकि, लाइव के दौरान वीर काफी नाराज नजर आए। उन्होंने सपना के मां बनने के पोस्ट पर आई लोगों की प्रतिक्रियाओं पर जमकर भड़ास निकाली। वीर ने कहा कि वह पिता बन चुके हैं लेकिन इस बात से दुखी हैं कि लोग अब भी बेहद अश्लील और भद्दे कॉमेंट्स कर रहे हैं।

जनवरी में की थी शादी तेरी आंख्या का यो काजल गाने से दुनियाभर में पॉप्युलर हुईं सपना को तमाम लोग बधाइयां दे रहे हैं। बता दें, इसी साल जनवरी में सपना ने कोर्ट मैरेज की थी। अब तमाम लोग यह भी कह रहे हैं कि शादी के बारे में बताया क्यों नहीं गया। इस पर भी वीर साहू ने अपना रिऐक्शन दिया। उन्होंने कहा, हमने अपनी मर्जी से शादी की है, इससे लोगों को क्या ऐतराज है? मुझे इस बात का किसी को सबूत थोड़े देना है कि मेरी निजी जिंदगी में क्या चल रहा है। मुझे किसी की परवाह नहीं है। मैं जमींदार का खून हूं और खुद्दारी से जीना ही पसंद करता हूं।

बदमाश बनने को हूं तैयार वीर ने आगे कहा, मैं आम आदमी हूं और मुझे किसी तरह का प्रचार नहीं चाहिए। सपना को लड़का हो गया इस तरह के कॉमेंट करके लोग मजाक उड़ा रहे हैं। अगर किसी की हिम्मत हो तो मुझे कोई कुछ कहकर बताओ। मैं अब तक कलाकार ही था मगर अब बदमाश भी बनने को तैयार हूं।

वीर ने पूछा- जानकारी नहीं दी तो रिश्ता अवैध हो गया? वीर ने कहा, सब कह रहे हैं कि शादी कर ली बताया नहीं, बिना शादी के बच्चा कैसे हो गया। मैं पूछ रहा हूं कि मैं किसी को यह क्यों बताऊं मुझे कुछ नहीं बनना है और मैं आम आदमी बनकर रहना चाहता हूं। जब सपना ने जहर निगला, तब भी सब इसी तरह से मजाक उड़ा रहे थे जबकि मेरे पास उसकी फरेंसिक रिपोर्ट है। जिस रिश्ते के बारे में कोई न बताए तो क्या वह रिश्ता अवैध होता है?

सपना की कहानी सुनोगे तो रो दोगे वीर ने लोगों को निशाने पर लेते हुए कहा, सपना चौधरी के पिता नहीं थे, वह अकेली पली बढ़ी है। सपना की कहानी सुनोगे तो रो दोगे।

साहू ने कहा, मैं लाइव आकर मेरे बेटे को दिखाऊंगा, तब देख लेना मेरे बेटे और सपना चौधरी को। मैंने किसी के लिए स्टैंड लिया है। बहुत कुछ सुना है, चुप भी रहा हूं।

अब गोवा में फिर शूरू करेंगी शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कोरोना वायरस की वजह से लंबे समय से घर पर ही थीं और उसके बाद हाल ही में फिल्म शूटिंग के लिए गोवा गई थीं। हालांकि, सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस से जुड़े एक ड्रग्स केस को लेकर दीपिका पादुकोण को एक एनसीबी ने पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद एक्ट्रेस को गोवा से मुंबई आना पड़ा था। हालांकि, अब पूछताछ हुए भी कई दिन हो गए हैं और एक्ट्रेस एक बार फिर अपना काम शुरू करने वाली हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका पादुकोण जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती हैं। एक्ट्रेस अभी शकुन बत्रा की फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। फिल्म की शूटिंग गोवा में चल रही हैं और एक्ट्रेस फिर से अपने सीन शूट करना शुरू कर देंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे हैं, जो गोवा में ही हैं और फिल्म पर काम कर रहे हैं। खबरें ये भी हैं कि एक्ट्रेस गोवा पहुंच गई हैं और वहां आज से काम शुरू कर सकती हैं। फिल्म का नाम अभी तक सामने नहीं आया है और फिल्म 12 फरवरी 2021 को रिलीज की जानी है। हालांकि, कोरोना वायरस की वजह से फिल्मों की रिलीज डेट का शेड्यूल पूरी तरह बदल गया है। ऐसे में इस फिल्म की रिलीज डेट भी बदल सकती है। एक्ट्रेस इससे पहले 11 सितंबर को गोवा गई थीं और कुछ दिन बाद ही वापस लौट गई थीं। एनसीबी ने 25 सितंबर को एक्ट्रेस से पूछताछ की थी। सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग एंगल सामने आने के बाद जांच के दौरान इन दीपिका पादुकोण का नाम भी नाम सामने आया और उन पर ड्रग पेडलर से संबंध होने या ड्रग्स लेने का आरोप लगाया जा रहा था। इसके बाद उनसे पूछताछ भी की गई और हाल ही में आई एक खबर में बताया गया कि एनसीबी को अभी तक की जांच में दीपिका, सारा और श्रद्धा कपूर का ड्रग पेडलर से कोई कनेक्शन नहीं मिला है।

इरा खान ने एक और टैलेंट आया सामने, अपने फिटनेस ट्रेनर के हाथ पर बनाया टैटू

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपने टैलेंट के लिए जाने जाते हैं। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान ही नहीं, उनकी बेटी इरा खान भी मल्टीटैलेंटेड गर्ल हैं। इरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उनकी फोटोज से आप ये तो समझ गए होंगे कि इरा फैशन और डायरेक्शन के मामले में काफी टैलेंटेड हैं। लेकिन, अब उनका एक और टैलेंट सामने आया है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। दरअसल, इरा एक टैटू आर्टिस्ट भी हैं और शानदार टैटू बनाती हैं। हाल ही में उन्होंने फिटनेस ट्रेनर नुपूर शिखारे की आर्म पर एक टैटू बनाया है और इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड भी की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया है कि उन्हें टैटू बनाना भी आता है। इरा की ओर से शेयर की गई फोटो में दिख रहा है कि इरा ने शानदार टैटू बनाया है और खास बात ये है कि यह उनका पहला टैटू है, जो उन्होंने बनाया है। इस टैटू की इरा ने खुद ने भी तारीफ की है और बताया है कि ये उनके लिए करियर ऑप्शन हो सकता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने पहले पहला टैटू बनाया। मुझपर विश्वास करने के लिए नुपूर शिखारे और इस संभव बनाने के लिए का शुक्रिया। बुरा नहीं है, है ना? मुझे लगता है कि मेरे पास एक वैकल्पिक करियर है। साथ ही एक्ट्रेस ने पहले एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वो किसी पेपर पर कुछ डिजाइन कर रही थीं और माना जा रहा है कि वो टैटू डिजाइन ही बना रही थीं। साथ ही उन्होंने उस पोस्ट में नुपूर को भी टैग किया था। बता दें कि नुपूर इरा के फिटनेस ट्रेनर हैं। पहले भी इरा ने एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वो हैंडस्टेंड करती नज़र आई थीं और उस वक्त भी उन्होंने अपने पोस्ट में नुपूर को टैग किया था। वैसे एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लगातार अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें काफी पसंद किया जाता है।

टीवी एक्टर ने बिग बॉस 14 में गौहर खान को लेकर किया ट्वीट

बिग बॉस 14 में इन दिनों सीनियर्स ने कंटेस्टेंट्स की नाक में दम कर रखा है. सीनियर्स के तौर पर घर में एंट्री करने वाले सिद्धार्थ शुक्ला, गौहर खान और हिना खान एक के बाद एक नई चाल चल रहे हैं और कंटेस्टेंट के लिए खेल को मुश्किल बना रहे हैं. बिग बॉस हाउस बिग बॉस 14 में टास्क के दौरान सीनियर्स के बीच जमकर हंगामा भी देखने को मिला है. जिसकी मिसाल सिद्धार्थ शुक्ला और गौहर खान के बीच हुआ हंगामा है. हालांकि बाद में सब नॉर्मल हो गया था लेकिन टास्क के दौरान दोनों में जमकर रार देखने को मिली. लेकिन टीवी एक्टर अली गोनी ने एक ट्वीट किया है जो खूब वायरल हो रहा है. इस ट्वीट में अली गोनी ने गौहर खान और शहनाज गिल को लेकर अपना पक्ष रखा है. बिग बॉस 14 में गौहर खान को लेकर टीवी एक्टर अली गोनी ने ट्वीट किया, यार गौहर की जगह शहनाज को भेजना चाहिए था, मुझे लगता है ज्यादा मजा आता...टू मच फन हो जाता. हालांकि अली गोनी के इस ट्वीट पर गौहर खान के फैन्स एक्टिव हो गए. एक फैन ने अली गोनी को जवाब देते हुए लिखा है, गौहर टाइग्रेस की तरह है. ब्यूटी विद ब्रेन का उनका एटीट्यूड नेक्स्ट लेवल पर है. इसलिए दोनों की तुलना न करें. इस तरह बिग बॉस 14 शुरू होते ही फैन्स के बीच सोशल मीडिया पर भी जमकर जंग देखने को मिल रही है. वहीं, अली गोनी के इस ट्वीट का कई फैन्स ने समर्थन भी किया है।

शादी से पहले काजल अग्रवाल की बैचलर पार्टी

हाल में खबर सामने आई थी कि बॉलिवुड और साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं ऐक्ट्रेस काजल अग्रवाल जल्द ही बिजनसमैन गौतम किचलू से शादी करने वाली हैं। अब सिंघम ऐक्ट्रेस की बैचलर पार्टी की तस्वीरें सामने आई हैं। इस पार्टी में काजल की बहन के अलावा उनकी नजदीकी फ्रेंड्स शामिल हुईं। काजल अग्रवाल की बहन निशा अग्रवाल ने इस बैचलर पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में काजल काफी खूबसूरत और खुश नजर आ रही हैं। इस बैचलर पार्टी में काजल ने सिर पर एक ब्लैक कलर का प्लेबॉय हेयरबेंड लगाया हुआ है। काजल की बहन ने सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें शेयर की हैं। माना जा रहा है काजल ने काफी पहले गौतम के साथ इंगेज्ड थीं और आने वाले दिनों में शादी करने जा रही हैं। गौतम एक आंत्रप्यनोर, इंटीरियर डिजाइनर हैं। काजल की नजदीकी दोस्त नेहा चोपड़ा भी इस बैचलर पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने काजल के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। काजल ने इंस्टाग्राम पर फैन्स को अपनी शादी का मेसेज दिया है। इस मेसेज में काजल ने बताया है कि उनकी और गौतम किचलू की शादी 30 अक्टूबर को मुंबई में होने जा रही है। इस शादी में केवल परिवार के लोग और नजदीकी दोस्त शामिल होंगे।

रिचा चड्ढा मानहानि केस- हाई कोर्ट ने पूछा- बयान वापस लेंगी पायल घोष?

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस रिचा चड्ढा ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में अनुराग कश्यप पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली पायल घोष के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था और 1.1 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा था। इस केस की सुनवाई बुधवार 7 अक्टूबर को की गई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पायल घोष से बयान वापस लिए जाने के बारे में पूछा है। बॉम्बे हाई कोर्ट में मानहानि के केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस एके मेनन ने पायल घोष के वकील नितिन सतपुते से पूछा कि क्या उनकी क्लायंट रिचा चड्ढा के बारे में दिया गया बयान वापस लेना चाहती हैं? सुनवाई के दौरान वकील ने कोर्ट से कहा था कि पायल घोष ने नासमझी में रिचा चड्ढा के बारे बयान दे दिया था। कोर्ट ने वकील को निर्देश किया है कि वह पायल घोष से इस बारे में बात करें और फिर कोर्ट को बताएं। बता दें कि अपनी याचिका में रिचा चड्ढा ने कहा है कि पायल घोष व अन्य ने जबरन एक तीसरे व्यक्ति (अनुराग कश्यप) पर लगाए आरोपों में उनका (रिचा का) नाम घसीटा है। उन्होंने कहा है कि पायल घोष व अन्य के आरोप पूरी झूठे, बेबुनियाद और उनका नाम खराब करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। बता दें कि पायल घोष ने डायरेक्टर अनुराग कश्यप पर आरोप लगाया है कि अगस्त 2013 में उन्होंने पायल को घर बुलाया और यौन शोषण करने का प्रयास किया। मीडिया से बात करते हुए पायल घोष ने यह भी आरोप लगाया है कि अनुराग कश्यप ने कथित तौर पर कहा था कि रिचा चड्ढा, हुमा कुरैशी और माही गिल जैसे कलाकार उन्हें सेक्शुअल फेवर देते हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।